शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## की प्रस्तुति

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

## (5501-5600)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

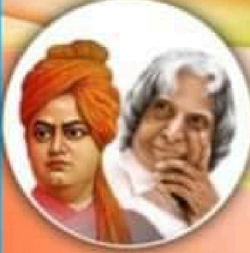

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 01/12/2022 दिन- गुरुवार

5501

## दाँत

दाँत हमारे हैं अनमोल,
जीवन में है इनका मोल।
अगर जो ये मुँह में न हों,
कैसे खाएँ रोटी गोल?

चबा-चबा भोजन हम खाते,
पेट को अपने हैं भर पाते।
सफेद दन्तपंक्ति है चमके,
जब भी हम हैं मुस्काते।।

गिनती इनकी है बत्तीस,
भोजन को देते हैं पीस।
मीठे से दूर ही रखना,
तभी रहेंगे बिल्कुल ठीक।।

इनके बिना चले ना काम,
करना दातुन सुबह शाम।
नीम की कच्ची डण्डी लेना,
लगता नहीं कुछ उसका दाम।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

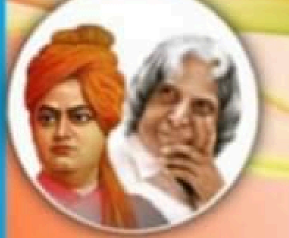

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 01/12/2022 दिन- गुरुवार

5502

## आओ वैज्ञानिक बन जाएँ

आओ हम वैज्ञानिक बन जाएँ,
वैज्ञानिक बन खुशियाँ फैलाएँ।
अब्दुल कलाम सा जीवन हो,
वन, उपवन खूब सघन हों।।

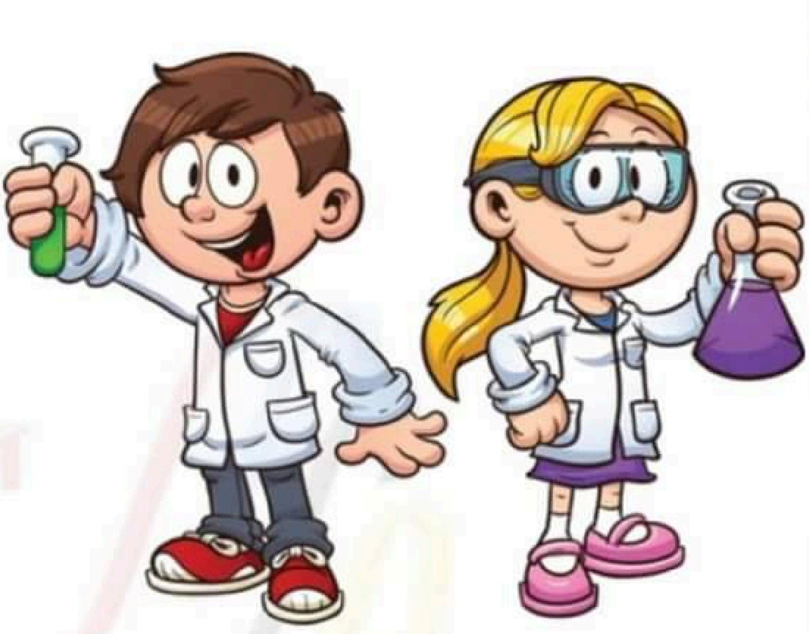

आओ हम वैज्ञानिक बन जाएँ,
वैज्ञानिक बन शान्ति फैलाएँ।
अन्धविश्वास में न पड़ करके,
सही मार्ग सबको दिखलाएँ।।

आओ हम वैज्ञानिक बन जाएँ,
सत्यता का मार्ग अपनाएँ।
जहाँ होता विशिष्ट ज्ञान महान,
प्राणी पाते वहाँ सब निदान।।

वैज्ञानिक संसार जब बन जाएगा,
इंसान, इंसान के काम आएगा।
बीमारियाँ वहाँ न टिक पाएँगी,
मिलावट कोई न कर पाएगा।।

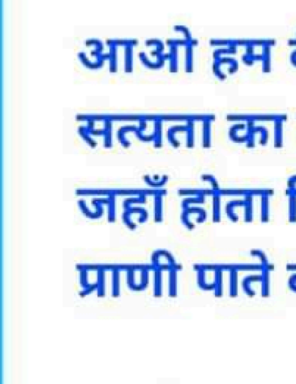

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 01.12.2022 दिन- गुरुवार

5503

## गाँव का मेला

आज गाँव का मेला है,
बच्चों का बड़ा झमेला है।
दुकानें खूब सजायी हैं,
ताजी गर्म मिठाई है।।

चरखी, झूला, रेलगाड़ी,
बैठो, घूमो करो सवारी।
खेल-खिलौने प्यारे हैं,
कितने सारे गुब्बारे हैं।।

कहीं सेब और केले हैं,
चाट-बतासे के ठेले हैं।
घर का सामान निराला है,
थाली, प्लेट, कप, प्याला है।।

कोई लेता चूड़ी-बिन्दी है,
कोई साड़ी, कुर्ती, चुन्नी है।
देवों की प्रतिमा प्यारी है,
अभिनेता के संग नारी है।।

रचना
कमला देवी (शि० मि०)
प्रा० वि० खरवलिया
सिधौली, सीतापुर

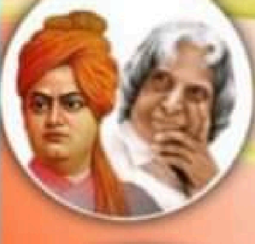

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 01/12 /2022 दिन- गुरुवार

5504

## उत्तराखण्ड

हमारा उत्तराखण्ड अद्भुत है,
सुन्दर, मनोहर, पावन, पवित्र है।
ऋषि-मुनियों की तपस्थली है,
देवी-देवताओं की पुण्य स्थली है।।

शीतल जल, स्वस्थ पवन बहती है यहाँ,
पक्षियों का मनमोहक कलरव होता यहाँ।।
उत्तराखण्ड की धरती कितनी सुन्दर,
फल-फूलों से लद जाते हैं पेड़-पौधे जहाँ।।

पंच बदरी, पंच केदार, पंच प्रयाग,
गंगा-यमुना का उद्गम स्थल।
गहरी-गहरी घाटियों से होकर,
कल-कल बहती नदियाँ निश्छल।।

चाँदी-से चमकते हिम शिखर हैं,
हरे-भरे और रमणीक जंगल हैं।
ऊँची-ऊँची धार, खाळ, ताल,
सबके मन को हर लेते हैं।।

रचना-:
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक-जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 02.12.2022 दिन- शुक्रवार

5505

## नारी व्यथा

मत भेज प्रभु मुझे इस दुनिया में,
डर मुझको अब लगता है।
कहाँ रहूँ इस दुनिया में?
यह सोच के दिल अब रोता है।।

दुनिया ने भी नहीं अपनाया,
बेटी की सुरक्षा और लाचारी देख।
माँ-बाप ने भ्रूण हत्या करायी,
दुनिया की ये क्रूरता देख।।

नहीं अपनाया जिसे माँ ने,
अब परायों से क्या उम्मीद जतायें?
जिन्दगी के हर मोड़ पर,
जब एक हैवान जिन्दा पायें।।

रहम किया होता ऐ खुदा मुझ पर,
मेरी गलती इन सब में क्या थी?
मुझको भी खुलकर जीना है,
बस मेरी यही एक दुआ थी।।

रचना
नम्रता मौर्य (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

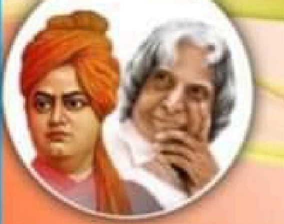

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 02/12/2022 दिन- शुक्रवार

5506

# कैसे?

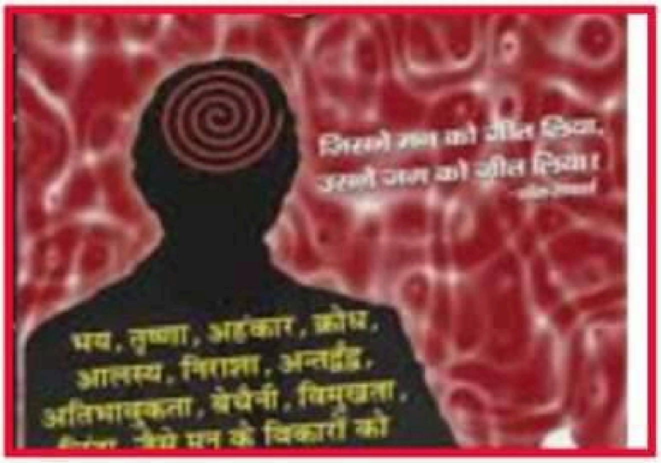


मन में उठी है एक हलचल,
कैसे उसे बताऊँ?
मन में जो चल रही है उलझन,
कैसे उसे सुलझाऊँ?

नारी का सम्मान सर्वत्र हो,
कैसे सब को बताऊँ?
अशिक्षा, अज्ञानता और निर्धनता,
कैसे दूर भगाऊँ?

छुआछूत जो फैला है यहाँ,
कैसे उसे मिटाऊँ?
दहेज प्रथा के विरोध में,
कैसे अलख जगाऊँ?

काश! होती जादू की छड़ी,
जिसको मैं जा घुमाऊँ।
नाम अपने प्यारे देश में,
अपना अमर कर जाऊँ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 02/12/2022 दिन- शुक्रवार

5507

## नन्हे-मुन्ने बच्चे

यह नन्हे-मुन्ने प्यारे,
ये सब कितने प्यारे।
ये आते पास हमारे,
ये करते कार्य है न्यारे।।

हम अपनी अलख जगायेंगे,
इनको फूलों की तरह सजायेंगे।
इनको कभी नहीं सतायेंगे,
प्यार से इनको पढ़ायेंगे।।

सारे संताप हम मिटायेंगे,
करते गलती उनको भी खूब मिटायेंगे।
कुंभकार की भांति करें कार्य हम,
सुन्दर, स्वच्छ और पावन मूर्ति बनायेंगे।।

है ये सारा काम हमारा,
बन जाए इनका जीवन सारा।
कभी न मिले इन्हे अंधियारा,
तब है जीवन धन्य हमारा।।

रचना
प्रियंका रावत (स०अ०)
प्रा० वि० नगला मानसिंह
लोधा, अलीगढ़

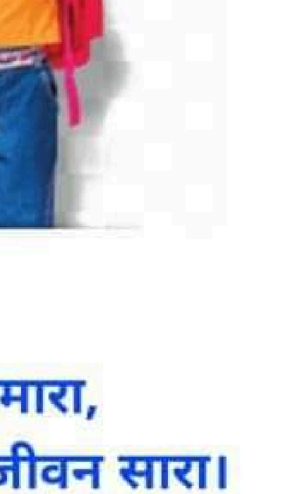

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 02/12 /2022    दिन-शुक्रवार

5508

## योग

प्रातः उठकर नित करो ईश ध्यान,
नित्य क्रम व स्नान करके करो प्रणाम।
तन-मन को स्वच्छ करके करो योग।
शरीर चुस्त-दुरुस्त होगा, होंगे निरोग।।

आदि काल से ऋषि-मुनियों ने समझाया,
किन्तु आलसी मानव यह समझ न पाया।
अपने सुख और वैभव में रहा लीन,
सब कुछ धन को ही समझा कुलीन ।।

जब तन धीरे-धीरे क्षीण हुआ,
तब कुछ मन भी विचलित हुआ।
तब धन से इतर कुछ उसने सोचा,
फिर प्रकृति के समीप धीरे से पहुँचा।।

ऊँ ध्वनि से झंकृत हुआ रोम-रोम,
कुछ लीन हुआ प्रकृति के सानिध्य में।
योग से तन- मन प्रफुल्लित हो गया,
प्रसन्नता मिली धरा के स्नेह में।।

रचना-
किरण जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डी मल्ली
कीर्ति नगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

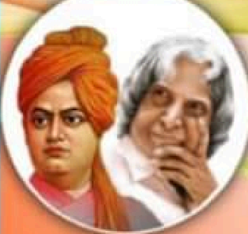

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 03.12.2022

दिन- शनिवार

5509

## प्यारी कोयल....

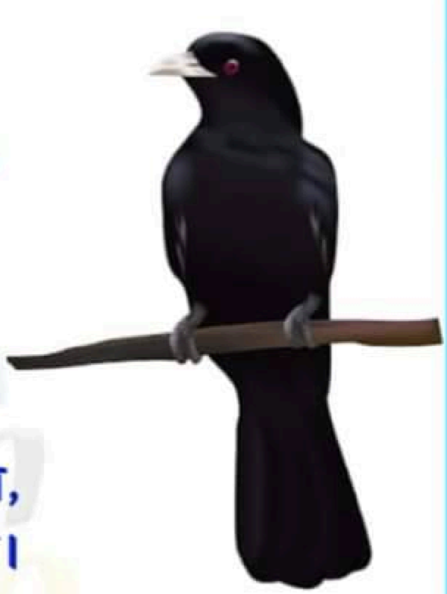

प्यारी कोयल, न्यारी कोयल,
बोलती जब तुम मीठे बोल।
लेती अपना बना सभी को,
देती हो मिश्री सी घोल।।

उछल-कूदकर तुम कोयलिया,
आम की डाली-डाली फिरती।
रंग काला, पर मन है भोला,
जीवन में खुशहाली भरती।।

सुनकर तेरी मीठी बोली,
बच्चे होते बड़े मगन।
मन में बातें आती मेरे,
मैं भी बोलूँ कोयल बन।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 03/12/2022
दिन- शनिवार

5510

# महीने का गीत

जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल,
रोज नहाओ, रहे न मैल।
मई, जून, जुलाई, अगस्त,
होंगे कभी न रोगों से त्रस्त।।

आते फिर सितम्बर-अक्टूबर,
करें पढ़ाई स्कूल में जाकर।
अन्तिम माह नवम्बर-दिसम्बर,
खेलें कूदें, फिर सब जमकर।।

12 महीने जब मिल जाते,
बन जाता है पूरा साल।
कभी 365 दिन का होता,
कभी 366 दिन का साल।।

रचना -
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 03/12/2022 दिन- शनिवार

5511

# तितली

फूलों पर इठलाती तितली,
लगती कितनी प्यारी है।
रंग-बिरंगी मनमोहक-सी,
बगिया की फुलवारी है।।

रंग-बिरंगे पंख हैं इसके,
उड़ती है इठलाती-सी।
नीले, पीले फूलों पर बैठती,
लगे बहुत शर्मीली-सी।।

महक सभी फूलों की लेकर,
उपवन को महकाती है।
उसी बाग में कोयल प्यारी,
मधुरिम गीत सुनाती है।।

नहीं पकड़ तुम इसको लेना,
कोमल पंखों वाली है।
लगता नित करती रहती ये,
उपवन की रखवाली है।।

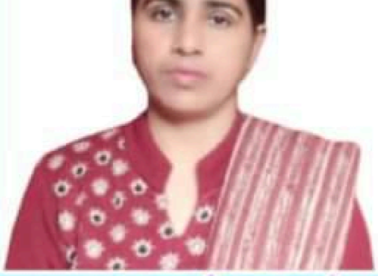

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर- 2
मवाना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 05-12-2022 दिन- सोमवार

5512

## देश की माटी (भाग-1)

मेरा अपना देश सभी को,
प्राणों सा है प्यारा।
इसी देश की माटी से,
जन्मा है ये जग सारा।।

इस माटी ने पाला सबको,
इसने सबको बडा किया है।
इसके वैभव का वर्णन,
ऋषियों ने सदा किया है।।

इसकी सोंधी गंध अनौखी,
करती मन उत्साहित।
देती है ये सदा प्रेरणा,
बढने को लालायित।।

माटी की महिमा अति न्यारी,
इसमें खेले सारे।
इसे बनाते और मिटाते,
भरते इसमें रंग न्यारे।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर (झाँसी)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

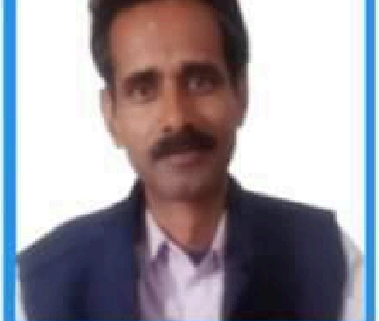

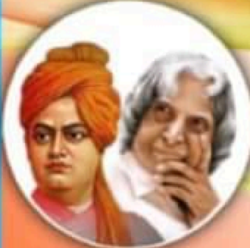

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 05.12.2022 दिन- सोमवार

5513

## पापा का बाग

मेरे पापा का बाग,
उसमें आम-अनार।
कुछ आँवले के पेड़,
और कुछ लगे हैं बेल।।

थोड़े जामुन लगे,
थोडे़ सागौन खड़े।
एक पीपल लगा,
एक बरगद बड़ा।।

इधर नीम लगी,
उधर यूकिलिप्टस खड़ी।
एक छोटी सी इमली,
एक बड़ी चिलबिली।।

कुछ अमरूद भी है,
एक कटहल भी है।
बच्चों! देखो सियार,
आयी बगिया बहार।।

रचना
कमला देवी (शि० मि०)
प्रा० वि० खरवलिया
सिधौली, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 05/12/2022 दिन- सोमवार

5514

## किसी के जैसा

किसी के जैसा हो जाने से,
क्या विशेष हो जाता है।
कुछ वैसे हो जाते है,
कुछ अपना खो जाता है।।

किसी से तुलना करने पर,
अक्सर ऐसा हो जाता है।
पूरे भी कुछ बन नहीं पाते,
अपना वज़ूद खो जाता है।।

हर शख्स यहाँ खुद में पूरा,
उसके अपने दोष और गुण।
किसी में वो कमजोर है,
किसी में वो निपुण।।

किसी के जैसे बनो नहीं,
खुद रखो अपना मान तुम।
ईश्वर की अनमोल धरोहर,
अनगिनत गुणों की खान तुम।।

रचना
रजनी सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० नगलिया सोफ़ा
खैर, अलीगढ़

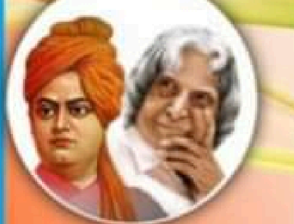

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 05.12.2022 दिन- सोमवार

**5515**

# तोता हूँ जी तोता हूँ

तोता हूँ जी तोता हूँ,
हरी डाल पर सोता हूँ।
मिट्ठू-चिंटू नाम है मेरा,
टें-टें कर उड़ जाता हूँ।।

अपने पिजड़े में रहता हूँ,
रोज घूम-घाम कर आता हूँ।
देख कर जरा सा खतरा,
झट से फुर्र हो जाता हूँ।।

लाल मिर्ची में खाता हूँ,
फल भी चाव से चखता हूँ।
सबके मन को भाता हूँ,
तोता हूँ जी तोता हूँ।।

**रचना- अशोक अंतिल (स0अ0)**
**उ0 प्रा0 वि0 सुल्तानपुर हटाना**
**बागपत, बागपत।**

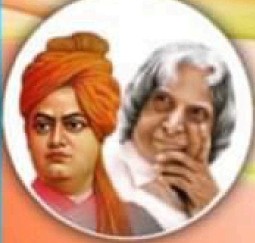

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 06.12.2022 दिन- मंगलवार

5516

# सूरज की उपयोगिता

सूरज ने ऐलान किया एक दिन,
मैं क्यों काम करूँ प्रतिदिन?
हर रविवार की छुट्टी लूँगा,
जी भरकर आराम करूँगा।।

यह सुन चाँद को गुस्सा आया,
सूरज पर जमकर चिल्लाया।
क्या मेरी ड्यूटी डबल लगेगी?
यह मनमानी नहीं चलेगी।।

चिड़िया कैसे चह-चहचहायेगी?
कैसे दाना खोज के लायेगी?
पत्ती भोजन कैसे बनायेगी?
कलियाँ बिना खिले मुरझायेंगी।।

सागर से बादल न बन पायेगा,
जीवन अस्त-व्यस्त हो जायेगा।
सूरज को फिर ये समझ में आया,
छुट्टी को अपने मन से बिसराया।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 06-12-2022 दिन- मंगलवार

**5517**

## देखो! सर्दी आयी

धीरे-धीरे आखिर देखो,
सर्दी आ ही गयी यहाँ।
फैल गयी धीरे से सब पर,
नहीं किसी से कुछ भी कहा।।

सुबह-शाम भारी लगती है,
सर्दी, धूप नहीं लगती।
इसलिए सब पहन के ऊनी,
कपड़े, जिससे ठण्ड भगी।।

सुबह समय होता स्कूल का,
फिर भी हम सब जाते हैं।
करें प्रार्थना, योग समय से,
फिर कक्षा में जाते हैं।।

लन्च हुआ तो आय धूप में,
बैठ सभी खाना खाते।
उससे पहले कहके भोजन,
मन्त्र सभी खुश हो जाते।।

**रचना**
नरेन्द्रपाल सिंह
प्रा० वि०- अंगथरी
मोंठ (झाँसी)

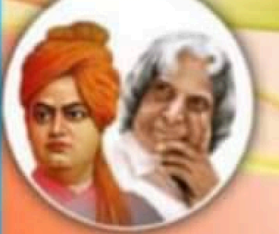

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 06-12-2022 दिन- मंगलवार

5518

## स्कूल चलें हम...

आओ बच्चों! स्कूल चलें हम,
खुशी-खुशी स्कूल चलें हम।
पढ़ना-लिखना ही जीवन है,
शिक्षा को पाना ही जीवन है।।

पढ़ाई से जीवन का उद्धार हो,
सम्मान से सबका कल्याण हो।
स्कूल हमारा सबसे प्यारा,
हमें लगता है बहुत न्यारा।।

शिक्षक है स्कूल में प्यारे-प्यारे,
प्यार से पढ़ाते, लगते हैं न्यारे-न्यारे।
आओ बच्चों! स्कूल चलें हम,
खुशी-खुशी स्कूल चलें हम।।

**रचना**

शमा परवीन
पूर्व मा० वि० टिकोरा मोड़
तजवापुर (बहराइच)

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 06/12/2022 दिन- मंगलवार

5519

## हमारे बिट्टू जी

आ गयी सर्दी,
पहन लो वर्दी।
सरदी के ले लो मजे,
बिट्टू जी घूमे सजे-सजे।।

कभी आते यहाँ,
कभी जाते वहाँ।
जेबों में हाथ डाल,
घूमते रहते यहाँ-वहाँ।।

दाँत किटकिटाते,
जूते पटपटाते।
बाँतें खूब बनाते हैं,
सबको प्यारे लगते हैं।।

उनकी टोपी लाल-लाल,
स्वटेर पहनते नीला हैं।
ऊपर खिसकाते रहते,
पायजामा रहता ढीला है।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवाँ, अलीगढ़

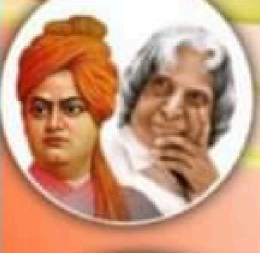

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 06/12 /2022 दिन- मंगलवार

5520

## गीता ज्ञान

करो नित कर्म तुम अपना,
रखो नित ध्येय को पावन।
लगाने पार नौका को,
चले आयेंगे फिर मोहन।।

चलो सद्मार्ग पर प्यारे,
कहीं रुकना नहीं देखो।
दिया जो ज्ञान गीता में,
करो उसका नियम पालन।।

न फल की कामना मन में,
न कोई मोह ललचाये।
मिले उद्योग से जो भी,
उसी का भोग कर पाएँ।।

धरो अवतार फिर कृष्णा,
धरा का पाप हर जाओ।
दिया जो ज्ञान अर्जुन को,
वही आ कर सिखा जाओ।।

रचना-:
अंजना कण्डवाल 'नैना'(स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० चामसैंण
ब्लॉक- नैनीडांडा, पौड़ी गढ़वाल

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 07.12.2022

दिन- बुधवार

5521

## सर्दी आयी

बड़ी सुहानी सर्दी आयी,
झोला भरकर ठण्डी लायी।
बच्चे, बूढ़े और जवान,
हो जाओ सब सावधान ।।

सिर और कान ढके ही रखना,
मूँगफली, गुड़ जमके चखना।
स्वेटर, कम्बल, रजाई लाओ,
आग ताप कर ठण्ड भगाओ।।

सुबह-शाम अब होगा कोहरा,
भरा रहेगा दिन भर मोहरा।
धूप-छाँव का खेल चलेगा,
कोल्हू गन्ना-बैल चलेगा।।

चार महीने अब ऐसे होंगे,
सरसों-बथुआ खूब बनेंगे।
सुर्र-सुर्र खूब नाक करेगी,
गुड़ की पट्टी राज करेगी।।

रचना
अभिषेक कुमार मिश्र (स०अ०)
प्रा० वि० सिंघानिया
परसेण्डी, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

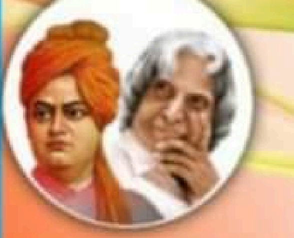

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 07/12/2022    दिन- बुधवार

5522

## आसमानी बातें

आओ करें चाँद-तारों की बातें,
बने कैसे दिन, कैसे आई रातें।
चाँद ने धरती के चक्कर काटे,
रोशनी सूरज आधी-आधी बाँटे।।

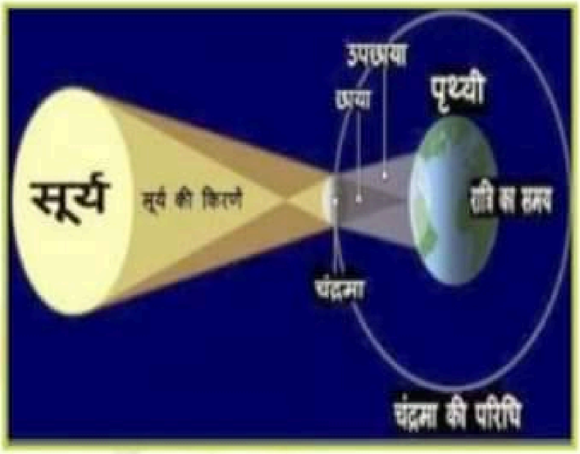


पूरा चाँद आये जब गगन पर,
वो दिन पूर्णमासी कहलाता है।
अमावस्या के दिन नहीं दिखता,
उस रात अँधेरा छा जाता है।।

365 और 1/4 दिन में पृथ्वी का,
एक चक्कर पूरा हो पाता है।
हर चार साल में होता 366 दिन का,
वह लीप वर्ष कहलाता है।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

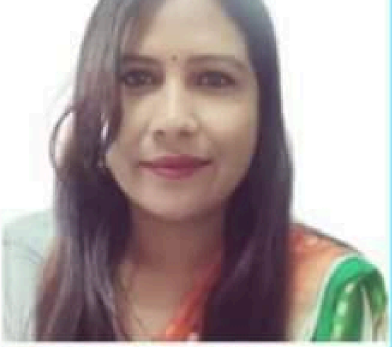

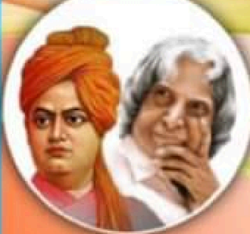

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08.12.2022 दिन- गुरुवार

5523

## भारत के त्योहार

आओ जानें मिलकर बच्चों,
भारत के त्योहार।
इस रंगीले देश के लोगों,
का कैसा व्यवहार!

है हिन्दू लोगों के दीवाली,
होली और दशहरा।
रक्षाबन्धन में सब बाँधे,
भाई को बहनें गजरा।।

पाक महीना आता है जब,
कहते हैं रमजान।
मीठी-मीठी ईद मनाते,
मुस्लिम भाई-जान।।

Merry Christmas

बैसाखी-गुरुपर्व मनाता,
सिक्खों का समुदाय।
क्रिसमस सभी मनाते हैं,
ईसाई जन हरसाय।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08/12/2022 दिन- गुरुवार

5524

## जल ही जीवन

पानी बड़ा अनमोल है,
भैया सुन लो मेरी बात।
बिन पानी सब सूना-सूना,
ना कटे दिन और रात।।

पानी से ही जीवन चलता,
कीमत इसकी जानो।
व्यर्थ नहीं बहाओ पानी को,
कहना बस अब मानो।।

पावन निर्मल गँगा जल है,
मत विष इसमें डालो।
जल ही जीवन सबका है,
मिल सब इसे बचा लो।।

फसलें पौधे सब पानी से,
पानी से जीवन सारा।
पानी नहीं रहेगा धरा पर,
फिर कैसे बचेगा जीवन हमारा।।

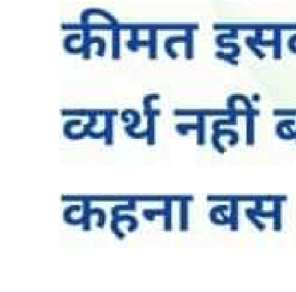

रचना-
प्रेमचन्द (प्र० अ०)
उ० प्रा० वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 08/12/2022 दिन- गुरुवार

5525

## चाह मेरी (1)

जब-जब चाहा खुश होना है,
एक नया गम तैयार मिला।
सब कुछ पाकर भी सब खोया,
कुछ ऐसा संसार मिला।।

रही खड़ी मैं बीच बजरिया,
अब तो शायद दिन बहुरे।
सब कुछ बदला दिन भी बदले,
पर न हमारे दिन बहुरे।।

पहरे की दीवारों के पीछे,
सपने सारे ही उजड़े।
आज नहीं तो कल उड़ेंगे,
बस इसी आस में दिन गुजरे।।

अब बस और नहीं है सहना,
अपना चमन सजाना है।
इस दुनिया की जंजीरों को,
अब हमको ठुकराना है।।

रचना
पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला
खैर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

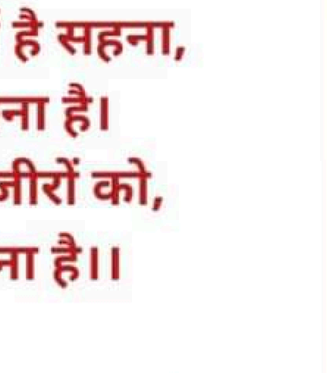

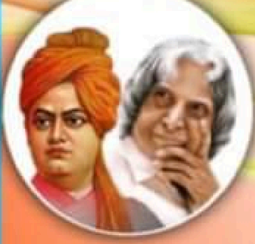

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 09.12.2022 दिन- शुक्रवार

5526

## चाह नहीं मैं ठहर जाऊँ

चाह नहीं मैं ठहर जाऊँ,
चाह नहीं मैं थम जाऊँ।
बिन मन्जिल को पाये कैसे?
बीच रास्ते रुक जाऊँ।।

हर बच्चे का हाथ पकड़ कर,
उसको राह दिखानी है।
शिक्षक का कर्तव्य याद रख,
हर हाथ कलम थमानी है।।

अज्ञान-रूपी आँधी में मैं,
शिक्षा का दीप जला पाऊँ।
बिन मन्जिल को पाये कैसे?
बीच रास्ते रुक जाऊँ।।

यह तो एक शुरुआत है,
अभी दूर तक जाना है।
हर जन तक हमको,
यह सन्देश पहुँचाना है।।

रचना
आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 09/12/2022 दिन- शुक्रवार

5527

# पढ़ाई

ध्यान लगाकर पढ़ना बच्चों,
पढ़ने की उम्र तुम्हारी है।
कैसा जीवन चाहा तुमने!
यह उसकी तैयारी है।।

खेलकूद भी बहुत जरूरी,
पर न पढ़ाई देना छोड़।
चाहे कितनी भी दिक्कत हो,
पढ़ने की तुम रखना होड़।।

नींव पड़ेगी अच्छी तो फिर,
भवन भी अच्छा बन जाए।
लापरवाही के कारण बस,
जीवन भार न बन जाए।।

मस्ती की है उम्र तुम्हारी,
होती बहुत जरूरी ये।
सपने भी तुम सच कर लेना,
जिंदगी न रहे अधूरी ये।।

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर- 2
मवाना, मेरठ

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 09/12/2022

दिन- शुक्रवार

5528

## बन्दर बाँट

सुनो सुनाऊ एक कहानी,
दो बिल्ली थी बड़ी सयानी।
मिला एक रोटी का टुकड़ा,
करती वो तो खींचातानी।।

दोनों में रोटी को लेकर,
हो गया मोटा झगड़ा।
देखकर उनका झगड़ा,
आया एक बन्दर तगड़ा।।

बन्दर ने फिर जुगत लगाई,
तोल तराजू की चतुराई।
इसमें ज्यादा, उसमें ज्यादा,
कहकर पूरी रोटी खाई।।

बच्चों! न तुम झगड़ा करना,
आपस में मिल-जुल कर रहना।
मिल बाँट कर काम तुम करना,
इक-दूजे का साथ निभाना।।

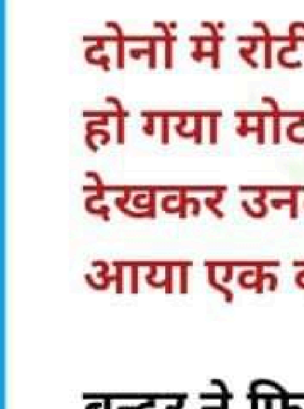

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

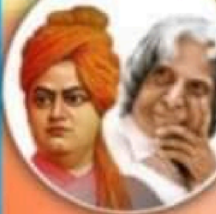

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10-12-2022 दिन- शनिवार

5529

## माँ

माँ क्यों रोती हो तुम?
तुम बिन सूना है संसार।
तुम जो रोओगी तो माँ,
नारी शक्ति की होगी हार।।

धन्य है औलाद वो,
जो पाये माँ का प्यार।
गम की आँधी कभी ना आती,
माँ रहती है जिसके घर-द्वार।।

हार ना मानो माँ मैं कहता,
रात के बाद दिन भी आता।
आयी मुसीबत टल जायेंगी,
दामन में खुशियाँ भर जायेंगी।।

हिम्मत से कभी हार न होती,
किस्मत की औकात न होती।
सफलता सबको हरदम मिलती,
सच्ची लगन अगर साथ है रहती।।

रचना
अनुपमा जैन (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

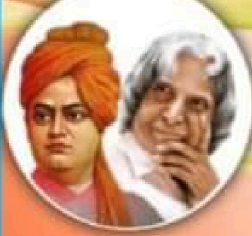

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10.12..2022

दिन- शनिवार

5530

## भावना सहकार की

हमारे भाव में समता का भाव हो,
न सहकारी भाव का कोई अभाव हो।
सभी समान हैं, आप यह जानिए,
विचारिए, मनुष्य हैं सभी समान मानिए।।

दुःख में, पीर में, किसी को देखकर,
संवेदना जगे, वेदना सहेजकर।
निज सा उपाय कर सको, करो,
मनुष्यता ही साध्य है, यही करो।।

सेवा की राह पर चलकर तो देखिए,
समता के भाव में बहकर तो देखिए।
सुख भी, सन्तोष भी व शान्ति भी मिले,
साँची हो कर्मरीति तो हर प्रार्थना फले।।

निर्लोभता, निःस्वार्थता पूजा है, मानिए,
कर्तव्य पथ वरेण्य है, इतना जानिए।
दायित्व क्या हमारा है? पूरा हो ठानिए,
सभी का हित रहे, जनहित यही है, जानिए।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 10/12/2022 दिन- शनिवार

5531

## मन के भाव

कहते है सब इन्सान,
है मन्दिर में भगवान।
न ढूँढें अपने मन में,
बने बैठे हैं नादान।।

मन्दिर है उनका घर,
पर रहते सबके मन में।
जो भाव हो खुलकर कह दो,
न बात छुपाओ मन में।।

भाव अगर सच होगा,
तो मन भी रहेगा चंगा।
रविदास ने भी बुला ली थी,
अपनी कठौती में गंगा।।

भाव के ही भूखे हैं सब,
भगवान हो या बच्चे।
हैं सबके मन को भाते,
हों भाव जिनके सच्चे।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनांक- 12/12/2022 दिन- सोमवार
5532

# पढ़ाई का महत्व

मैय्या मुझको कलम दिला दे,
मैं भी पढ़ने जाऊँगी।
भैया के जैसे ही मैं भी,
लाट साहब बन जाऊँगी।।

मैं भी पढ़ना चाहती हूँ,
उड़ान भरना चाहती हूँ।
लड़की हूँ तो क्या हुआ?
मैं भी जीना चाहती हूँ।।

पढ़ना-लिखना अधिकार सभी का,
संविधान हमारा कहता है।
पढ़-लिखकर हमें हमेशा,
सही-गलत का भान रहता है।।

जीवन में सदैव शिक्षा का,
महत्व बहुत ही होता है।
जो होता निरक्षर है,
वह स्वपहचान खोता है।।

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

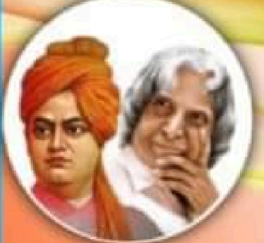

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 12.12.2022

दिन- सोमवार

5533

# जीवन पथ

जीवन पथ पर चलते रहना,
सबका हमराही बनकर।
दुःख में राह दिखाना सबको,
आशाओं का दीपक बनकर।।

जीवन पथ में होते शूल सभी के,
हँसकर उन पर चलते रहना।
मेहनत के गाकर गीत सदा,
उन्नति पथ पर बढ़ते रहना।।

पथ में पथिक नहीं थक जाना,
बाधाओं से मत घबराना।
देते रहना कठिन परीक्षा तुम,
जब तक मन्जिल मत पा जाना।।

जीवन पथ की गहराई को जानो,
हो कहीं शिथिलता, उसको पहचानो।
आलोकित कर दो जीवन पथ को,
एक सच्चा, अच्छा राही बनकर।।

रचना
प्रेम प्रकाश वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

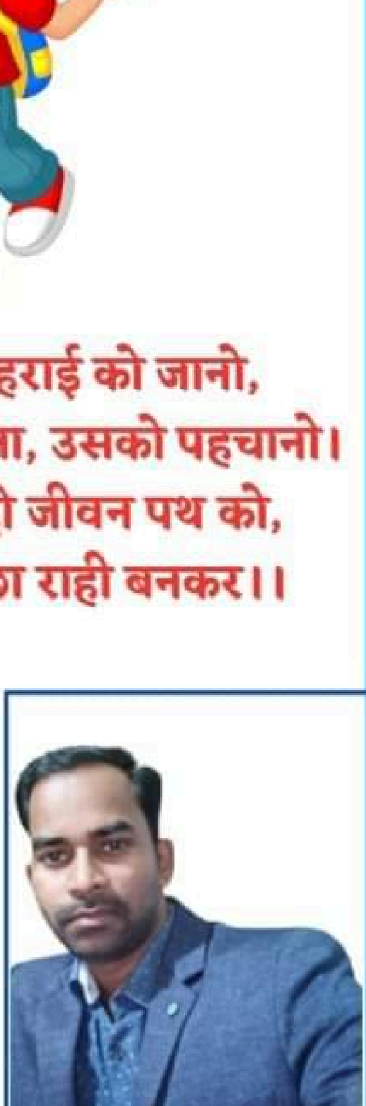

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 12-12-2022 दिन- सोमवार

5534

# तितली सा जीवन

तितली-सी बन जाऊँ मैं,
फूल-फूल मडराऊँ मैं।
रंग-बिरंगे पंख हों मेरे,
जिन्हें देख इतराऊँ मैं।।

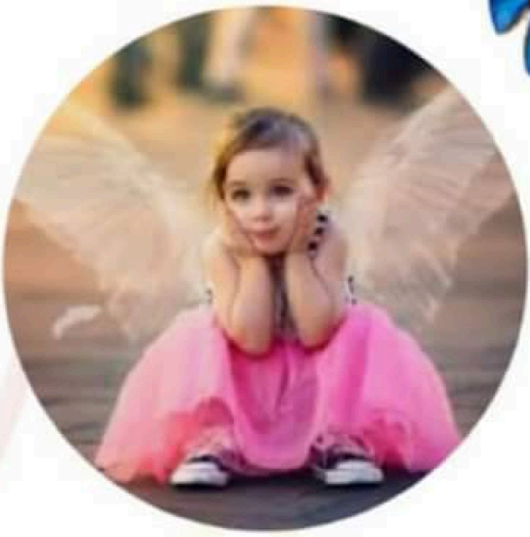

हे! ईश्वर बस इतना कर दो,
वरदहस्त मस्तक पर रख दो।
कुछ मन का कर जाऊँ मैं,
तितली-सी बन जाऊँ मैं।।

नहीं सुहाते बन्धन मुझको,
चंचल तितली बन जाऊँ मैं।
बाग-बगीचा खलिहानों से,
मधुर-रस चुन पाऊँ मैं।।

मुझे बुलाते नदी पहाड़,
कैसे करू मैं उनको पार?
सब-कुछ भूल उड़ जाऊँ मैं,
तितली-सी बन जाऊँ मैं।।

रचना
पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला
खैर, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 12/12 /2022 दिन-सोमवार

5535

## फूल

फूल बड़े प्यारे-प्यारे,
लगते मुझको जग से न्यारे।
रंग-बिरंगे सुन्दर, सुन्दर फूल,
तोड़कर कर तुम ना करना भूल।।

डाल-डाल पर लगते फूल,
लाल, गुलाबी, नीले, पीले फूल।
काँटों संग सदा मुस्कुराते फूल,
हँसते-हँसते खिल जाते फूल।।

खुशबू से सारा जग महकायें,
सबको अपने पास बुलायें।
बारिश हो चाहे तूफान,
फूल बिना सारा जग वीरान।।

बच्चों तुम भी सदा मुस्कुराओ,
फूलों जैसी खुशी बिखराओ।
हँसते-हँसते पढ़ने जाओ,
इस जग को सुन्दर बनाओ।।

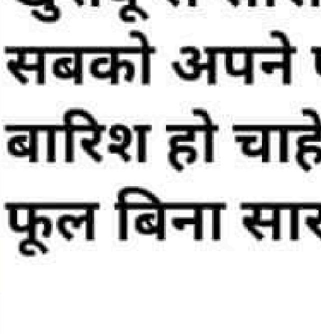

रचना-:
सूरी भारती (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० उठड़
जाखणीधार, टिहरी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 13/12/2022 दिन- मंगलवार

5536

# बुद्ध

राजमहल के एशो-आराम,
सुख वैभव भी था अविराम।
सारथी संग नगर भ्रमणार्थ,
निकले राजकुमार सिद्धार्थ।।

एक कृशकाय वृद्ध को देखा,
एक रोगी मनुष्य भी देखा।
एक मृत व्यक्ति का शव देखा,
तब सिद्धार्थ को गृह त्यागते देखा।।

वैराग्य, अमरत्व की,
खोज मोक्ष, ज्ञान की।
वर्षों कठिन तपस्या की,
सिद्धार्थ ने पदवी पाई बुद्ध की।।

संसार दुखों से परिपूर्ण है,
दुखों का कारण भी है।
दुखों का अंत संभव है,
दुखों के अंत का मार्ग भी है।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- 1,
महुआ, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
5537
दिनांक- 13-12-2022 दिन- मंगलवार

# सरल एप

निपुण असेसमेंट टेस्ट,
पढ़ाई हो रही बेस्ट।
सीखने से न लो रेस्ट,
जिन्दगी में आए तभी टेस्ट।।

शिक्षा की डगर में,
जीवन के भँवर में।
आया है जो सरल एप,
आकलन को देगा शेप।।

कक्षाओं में सीखना,
परिवेश से सीखना।
सीखना जहाँ होता है,
जीवन नित नया होता है।।

उपचार भी जरूरी होता,
कमजोरी को दूर करता।
उपचारात्मक शिक्षण से,
व्यक्तित्व सुदृढ़ है बनता।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवाँ, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 13.12..2022 दिन- मंगलवार

**5538**

## हमने ठाना है

हमने यह ठाना है,
मंज़िल को पाना है।
दूर बहुत जाएँगे,
दुनिया में छा जाएँगे।।

हम होंगे कामयाब,
पूरे होंगे सब ख्वाब।
मेहनत के पंख लगाएँगे,
अम्बर में उड़ जाएँगे।।

लक्ष्य पर तीर लगाना है,
अर्जुन सा बन जाना है।
सफलता अवश्य पाएँगे,
दुनिया में छा जाएँगे।।

सच्चाई को न छोड़ेंगे,
न नेक इरादे छोड़ेंगे।
तूफानों से टकराएँगे,
आसान राह बनाएँगे।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनांक- 13/12/2022 दिन- मंगलवार
5539

# प्यारे बच्चे

कभी उछल कूद करते हैं,
कभी आपस में लड़ते हैं।
पलभर में हो जाते एक,
बच्चे होते कोमल देख।।

मन में इनके मैल नहीं,
करते आपस में बैर नहीं।
कच्ची मिट्टी का होते घड़ा,
जिन्हें चाहिए प्यार बड़ा।।

तेज गति से सीखें हर काम,
सीखे बिन न करें आराम।
होते कच्ची कलियाँ बच्चे,
सबको ही लगते ये अच्छे।।

सच में होते प्यारे बच्चे,
सब के राजदुलारे बच्चे।
होते आँखों के तारे बच्चे,
बच्चे सबको लगते अच्छे।।

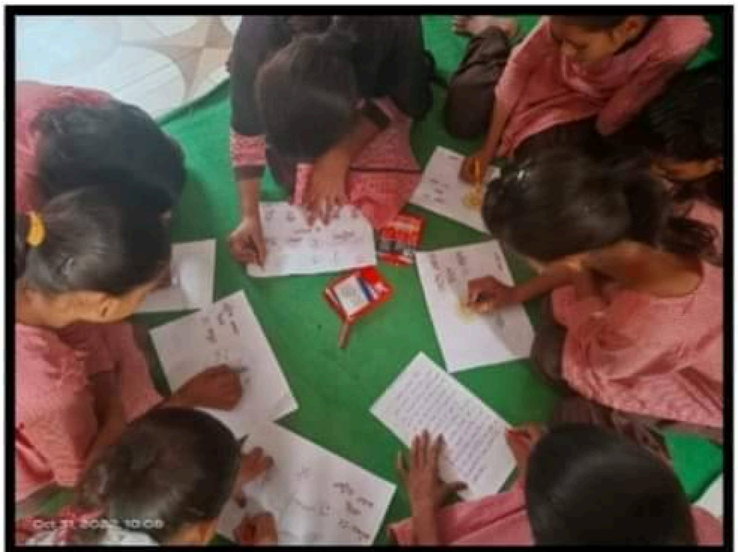

रचना - सीमा शर्मा (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

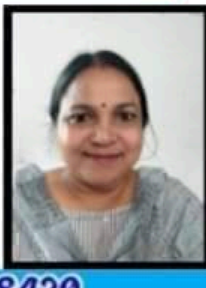

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 13/12/2022 दिन- मंगलवार

5540

## मेरी माँ

मन्द मधुर मुस्कान लिए,
एक दमकता चेहरा।
एक आत्मविश्वास की,
कान्तियुक्त सुन्दर चेहरा।।

हमारी कामयाबी पर,
खिलखिलाता चेहरा।
मन्द मधुर मुस्कान लिए,
एक दमकता चेहरा।।

कभी असीम दर्द को,
छुपाती मौन आह।
कभी अपनों के प्यार से,
पुलकित जीवन्त श्वास।।

माँ! यही तो हो आप जो मैं समझ रही,
माँ ये सब तुम्हारे ही तो पर्याय।
अनजान थी आपके संघर्षों से,
अब माँ बनकर जान रही।।

रचना-:
सुनीता भट्नागर (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० पनिया मेहता,
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- दिन-

5541

## 1 से 18 तक गिनती

एक पेड़ पर चिड़ियाँ बैठी,
दो पँजों से डाल है जकड़ी।
तीन बच्चे देखने आये,
चार आम तोड़ कर खाये।।

पाँच मेढक कूदकर आये,
छः छलाँग गिन कर लगाये।
सात बार चिड़िया चूँ-चूँ बोली,
आठ बार फिर पँख हिलाये।।

ग्यारह भालू जमकर नाचे,
बारह ठुमके लगाये जमके।
तेरह बार चिड़िया मुस्कायी,
चौदह बार पलक झपकायी।।

पन्द्रह बन्दर दौड़ कर आये,
सौलह बन्दरिया सँग में लाये।
सत्रह पत्ते तोड़ गिराये,
अट्ठारह आम मिल सबने खाये।।

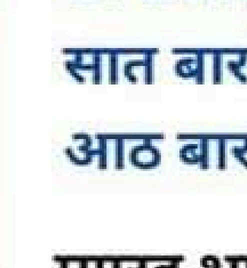


रचना -
प्रेमचन्द (प्र० अ०)
उ० प्रा० वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान     शिक्षक का सम्मान     मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

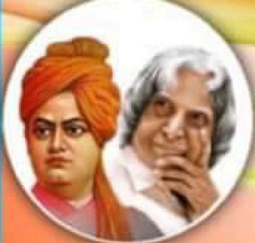

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

5542

दिनांक- 14.12.2022     दिन- बुधवार

## बच्चा सोचता है

लगा पंख मैं उड़ता जाऊँ,
नील गगन की सैर कर आऊँ।
बदरी बन मस्ती में झूमूँ,
बिजली सा मैं चम-चम चमकूँ।।

तितली बन फूलों से खेलूँ,
इत्र सा मैं महकता जाऊँ।
लगा पंख मैं उड़ता जाऊँ,
नील गगन की सैर कर आऊँ।।

सूरज को मैं आँख दिखाऊँ,
रात चाँदनी आनन्द में नहाऊँ।
जहाँ कहीं हो रात घनेरी,
जुगनू बन रोशनी फैलाऊँ।।

हवा बन इधर-उधर लहराऊँ,
जादू सा करतब दिखलाऊँ।
इन्द्रधनुषी रंगों में रंगता जाऊँ,
सारे जहाँ को रंगीन बनाऊँ।।

रचना
स्वाति सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० रवाँसी
परसेण्डी, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 14/12/2022 दिन- बुधवार

5543

# बचपन

हर दुख से अंजाना बचपन,
सुन्दर और सुहाना बचपन।
तितलियों के पीछे भागता,
गुजरा हुआ जमाना बचपन।।

बारिश की बरसती बूँदों में,
भीगने को मचलता बचपन।
मिट्टी की सौंधी खुशबू में,
गिरता, कभी सँभलता बचपन।।

कोमल ज्यों फूलों की डाली,
बड़ा निराला होता बचपन।
चिन्ता नहीं किसी की इसको,
फूलों सा खिलता है बचपन।।

रचना - पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

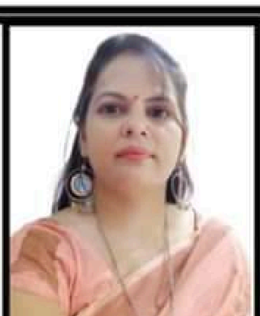

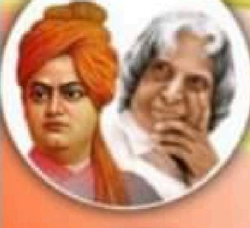

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 14/12 /2022 दिन-बुधवार

5544

## हम भी कुछ देना सीखें

फूल हमें देते हैं खुशबू,
हम भी तो कुछ देना सीखें।
सूर्य हमें देता है धूप,
हम भी तो कुछ देना सीखें।।

चाँद हमें देता है शीतल,
हम भी तो कुछ देना सीखें।
नदी हमें देती है पानी,
हम भी तो कुछ देना सीखें।।

पेड़ हमें देते हैं फल,
हम भी तो कुछ देना सीखें।
हवा हमें देती है जीवन,
हम भी तो कुछ देना सीखें।।

माता-पिता देते हैं प्यार,
हम भी तो कुछ देना सीखें।
गुरु जी हमें देते हैं ज्ञान,
हम भी तो कुछ देना सीखें।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

🙏रचना-:
संगीता राणा(आँ०शिक्षिका)
आँगनबाड़ी केन्द्र जैली
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

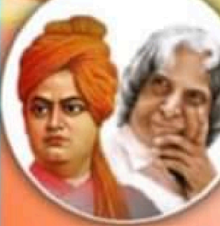

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 14/12/2022 दिन- बुधवार

**5545**

## हमारे राज्य

मेरा प्यारा देश भारत,
भारत में है 28 राज्य।
असम, मणिपुर, नागालैण्ड,
मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय।।

उत्तर, मध्य, आन्ध्र प्रदेश,
उड़ीसा, बिहार, तेलंगाना।
गोआ, सिक्किम, महाराष्ट्र,
पंजाब, हिमाचल, हरियाणा।।

गुजरात, राजस्थान, केरल,
कर्नाटिक, तमिलनाडु, झारखण्ड।
अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल,
जम्मू और कश्मीर संग उत्तराखण्ड।।

यहाँ की नदियों से, गलियों से,
भाषाओं से खुशबू है आती।
राजधानी हमारे देश की,
दिल्ली शान से कहलाती।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

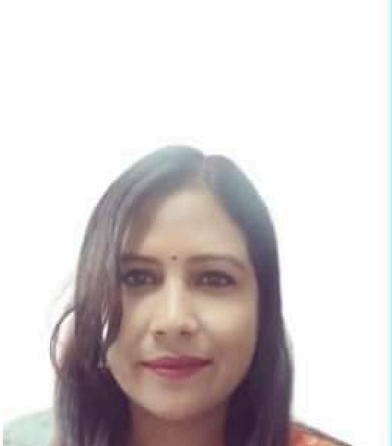

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/12/2022 दिन- गुरुवार

5546

# बचपन

गुजर गये वो बचपन के दिन,
मिलकर ऊधम मचाते थे।
दोस्त के घर में खाना खाते,
वहीं पर फिर सो जाते थे।।

मिट्टी से जुड़कर रहते थे,
घर मिट्टी के बनाते थे।
गुल्ली-डण्डा, कबड्डी, खो-खो,
पानी में नाव चलाते थे।।

खुले मैदान में पेड़ के नीचे,
बैठकर शिक्षा पाते थे।
साइकिल के पहिए लेकर,
दिन भर दौड़ लगाते थे।।

माता-पिता का करते मान,
डाँट से ही डर जाते थे।
पड़ती डाँट पिता की जब,
माँ के आँचल में छुप जाते थे।।

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर- 2
मवाना, मेरठ

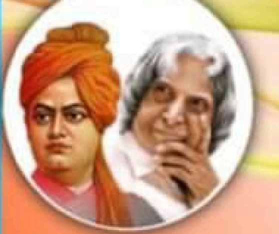

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15.12.2022

दिन- गुरुवार

5547

## सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा से जीवन को बचाना है,
साँसें हैं अनमोल, न इन्हें गँवाना है।
लाल बत्ती जले, वहीं रुक जाना है,
पीली पर हो तैयार, हरी पर जाना है।।

दोपहिया वाहन अगर चलाना है,
भैया हेलमेट जरूर लगाना है।
जब सवार हो जीप-कार से जाना है,
तब बाँध सीट बेल्ट भूल न जाना है।।

यातायात नियम हमें अपनाना है,
न कर पल भर चूक, न पछताना है।
नींद नशा में वाहन नहीं चलाना है,
बाएँ चलना कान में न लीड लगाना है।।

वाहन अब न तेज गति से चलाना है,
ओवर टेकिंग न कर, न फोन चलाना है।
दुर्घटना से बचना और बचाना है।
ट्रैफिक पुलिस के संकेतों पर ध्यान लगाना है।।

रचना
लक्ष्मी देवी वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०सिहानीपारा
परसेण्डी, सीतापुर

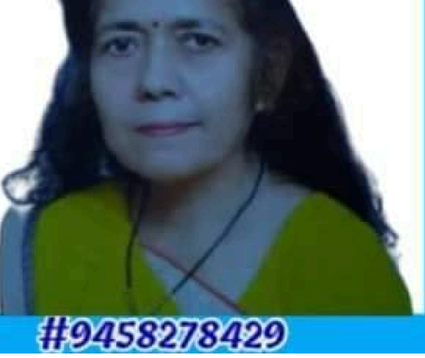

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-12-2022 दिन- गुरुवार

5548

# लुभावन सर्दी

विदा हुयी बरसात सुहावन,
और लुभावन सर्दी आयी।
दादा-दादी, मुन्ना-मुन्नी,
सबने ढेरों खुशियाँ पायी।।

नींबू , मटर और ले आलू,
चलो बनायें हम कचालू।
मुन्ना-मुन्नी सबने खाया,
संग में खूब धमाल मचाया।।

साग, गुड़ और मूँगफली,
खाकर तन को स्वस्थ बनाओ।
पाठ पढ़ो तुम नियमित बच्चों!
जीवन अपना सुखद बनाओ।।

जाड़ा, गर्मी या बरसात,
सबकी अपनी खास है बात।
हर मौसम का मजा उठायें,
जीवन में खुशियाँ भर लायें।।

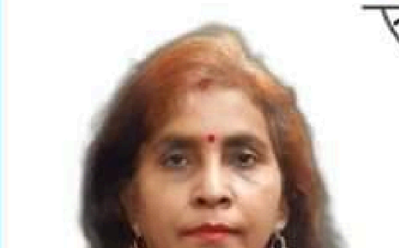

रचना
सरिता तिवारी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय कन्दैला
मसौधा, अयोध्या

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

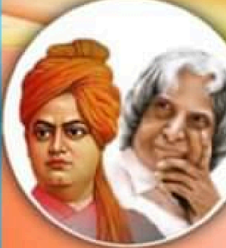

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-12-2022

दिन- गुरुवार

5549

# नीर की पीर

मेरे मन की एक कहानी,
जल से सुन लो उसकी बानी।
मुझसे होते हैं कई काम,
जल, नीर, पानी मेरे नाम।।

मेरे बिना तो मछली तड़पे,
मुझ बिन बादल कभी न बरसे।
प्यासे को अमृत लगता हूँ
हर जीवन खुशियाँ भरता हूँ।।

सुन लो मेरी इक ये बात,
कभी न करना मुझको बर्बाद।
मेरी कमी जो पाओगे,
खुद का अस्तित्व मिटाओगे।।

जल न हो यदि इस धरती पर,
क्या ऐसा जीवन जी पाओगे?
तो आज से कर लो तुम संकल्प,
जल सदुपयोग ही एक विकल्प।।

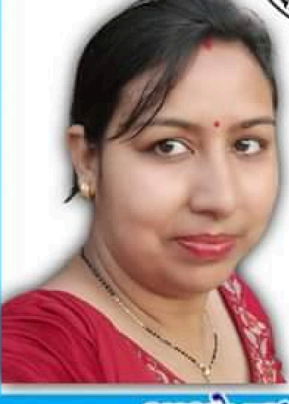

रचना
प्रज्ञा गुप्ता (स०अ०)
कंपोजिट स्कूल सांडा,
फूलबेहड़, लखीमपुर खीरी

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनांक- 15.12.2022 दिन- गुरुवार
5550

# जिन्दगी

कहाँ चलती है ये जिन्दगी सदाचारी बनकर।
पग-पग पर मिलते हैं लोग दुराचारी बनकर।।

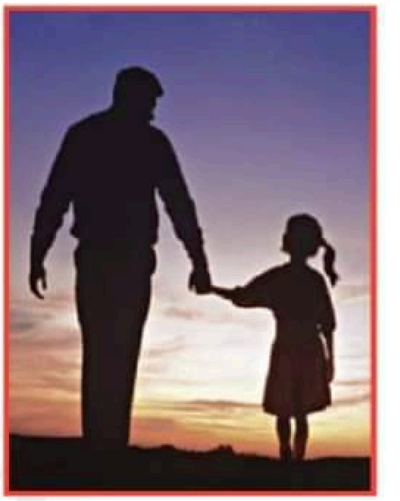

देखा है मैंने हर बार सत्य को चिल्लाते हुए,
गहरे दर्द में घिरकर पल-पल बौखलाते हुए।
बेईमानी ने रुलाया है स्वाभिमान को अक्सर,
कहाँ चलती है ये जिन्दगी सदाचारी बनकर।।

देनी पड़ती है सच को हर बार ही गवाही,
काम आती नहीं झूठ के आगे चतुराई।
देता है जो फल मीठे वही पेड़ खाता है पत्थर,
कहाँ चलती है ये जिन्दगी सदाचारी बनकर।।

चतुर शेर को भी फँसा देता है निर्बल बहेलिया,
बुरी सोच का भी अपना ही होता है ठोस नजरिया।
मिलती है आत्मसन्तुष्टि बस नेक राह पर चलकर,
कहाँ चलती है ये जिन्दगी सदाचारी बनकर।।

केवल ईमानदारी, चतुराई और सदाचार के साथ,
बदल जाते हैं रिश्ते और बिगड़ जाते हैं हालात।
कहता है "पारुल" का ये खुद का अनुभव स्तर,
कहाँ चलती है ये जिन्दगी सदाचारी बनकर।।

रचना- पारुल चौधरी (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 हरचंदपुर (1-8)
खेकड़ा, बागपत।

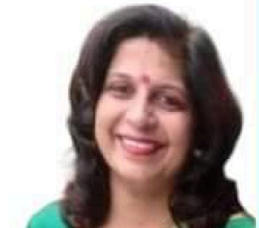

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15/12 /2022 दिन- गुरुवार

5551

## मेरी माँ

कितनी सपने सँजोये,
माँ! तुमने मेरे लिए।
मैंने वे एहसास सब,
यादों की माला में पिरो लिए।।

खुद ठिठुरती ठण्ड से पर,
हमको आँचल से ढक देती थी।
कभी डपटती, कभी दुलारती,
कभी प्यार से समझाती थी।।

तुम ममता की शक्ति बन,
तूफान में मेरी ढाल बनी।
मेरी हँसी, मेरी पीड़ा,
तुम सब में साथ खड़ी रही।।

आज अश्रुपूरित आँखें मेरी,
चहुँ दिशा में "माँ"तुम्हें ढूँढती हैं।
मुझे फिर नन्हीं बेटी की तरह जगा दो,
वो प्यार भरी आँखें तलाशती हैं।।

रचना-:
सुनीता भट्नागर (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० पनिया मेहता,
भीमताल, नैनीताल

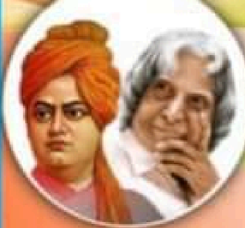

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 15-12-2022 दिन- गुरुवार

5552

# मेरा देश महान है

मेरा देश महान है, मेरा देश महान है,
विश्व में भारत की पहचान है।
आजादी के झण्डे वीरों ने लहराए हैं,
विश्व में ऊँची शान बनाकर बिगुल बजाए हैं।।

मातृभूमि रक्षा को जीवन न्यौछावर कर,
संघर्षों की वेदी पर वीर-वीरांगना चल कर।
आज देश को गौरवान्वित कर बढ़ गए,
वीर गति की नई-नई गाथाएँ गढ़ गए।।

हम भी कुछ करने को आज शपथ लेते हैं,
देश की सम्मान को हम कलम उठा लेते हैं।
देते हैं हम देश को समानता की प्रभात फेरी,
देते हैं हम सभी विश्व को पहचान हमारी।।

रचना
प्रियंका रावत (स०अ०)
प्रा० वि० नगला मानसिंह
लोधा, अलीगढ़

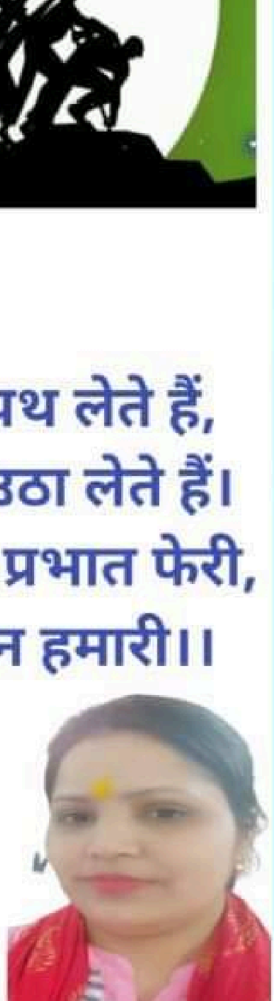

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 16/12/2022 दिन- शुक्रवार

5553

# तारें

आसमान में कितने तारें,
मिलजुल कर रहते हैं सारे।
चम-चम, चम-चम चमक रहे,
दम-दम, दम-दम दमक रहे।।

आसमान को नित्य सजाते,
सबके मन को बड़ा लुभाते।
एक साथ बढ़ते हैं पथ पर,
बिल्कुल नहीं अकेले आते।।

अपनी धरती से भी बड़े हैं,
मगर बहुत लगते हैं छोटे।
दूर बहुत ये सब पृथ्वी से,
इसीलिए तो लगते हैं छोटे।।

हम सब भी इनसे ये सीखें,
मिलजुल कर कैसे रहना है?
रहें एक सद्भाव बनाकर,
एकता ही देश का गहना है।।

रचना-
मुक्ता शर्मा (स०अ०)
के० जी० बी० वी०
परीक्षितगढ़, मेरठ

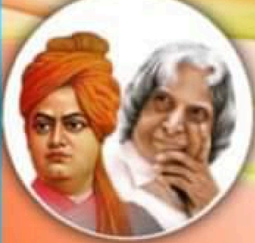

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 16.12.2022 दिन- शुक्रवार

5554

## सड़क सुरक्षा

खेल-खेल में बच्चों आओ,
सड़क सुरक्षा नियम बताएँ।
कैसे सड़कों पर चलना है?
सारे नियम चलो समझाएँ।।

पैदल चलना सदा किनारे,
अपने बायीं ओर सड़क पर।
पार हो करनी सड़क तुम्हें जब,
बाएँ-दाएँ देखो मुड़कर।।

दो पहिया वाहन हो चलाना,
सिर पर हेलमेट पहनके जाना।
मोबाइल पर बात न करना,
ध्यान से गाड़ी सदा चलाना।।

संकेतों का नियम समझना,
ट्रैफिक नियम सदा अपनाना।
दाएँ-बाएँ मुड़ने से पहले,
बत्ती अपनी जरुर जलाना।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

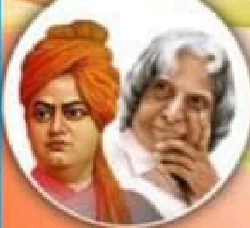

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

5555

दिनांक- 16-12-2022

दिन- शुक्रवार

## चाह मेरी

पढ़-लिखकर अब नयी इबारत,
लिखने की मैं ठान चुकी।
बहुत हुआ अब नहीं सहूँगी,
ये दुनिया भी अब जान चुकी।।

नयी हवा है, नया चलन है,
और उमंगें नयी मेरी।
पढ़ना है आगे बढ़ना है,
अब ये ही हठ है मेरी।।

लड़की हूँ पढ़ सकती हूँ,
मैं भी सब कुछ कर सकती हूँ।
पूर्वजों का मान बढ़ाकर,
मैं भी इतिहास लिख सकती हूँ।।

नहीं किसी से कमतर मैं भी,
यही सिद्ध अब करना है।
खुशियों की बगिया से मुझको,
अब अपना हक चुनना है ।।

रचना
पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला
खैर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 17/12/2022 दिन- शनिवार

5556

## मन की जीत

मन के हारे हार है,
मन के जीते जीत।
मन में इसको अपना लो,
यह वर्षों की रीत।।

आये कभी भी कोई संकट,
करो सामना उसका।
ऐसी नहीं कोई समस्या,
नहीं समाधान जिसका।।

मन से कभी भी न टूटो,
चाहे कितने ही कष्ट आयें।
कष्ट होंगे दूर सभी,
समय चाहे लग जाए।।

हँसते-हँसाते हर संकट का,
सामना तुम जब करोगे।
जीवन प्रगति के पथ पर,
फिर आगे ही बढ़ोगे।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

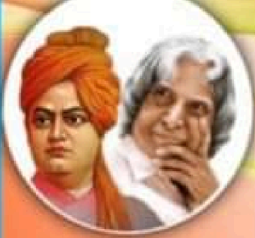

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 17.12.2022 दिन- शनिवार

5557

# जाड़ा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया,
ठण्डी हवा संग में लाया।
सूरज दादा भी अलसाते,
देर में घर से बाहर आते।।

दिन-भर करते आँख मिचौली,
साँझ को जल्दी भागे वो भी।
दिन का पता, न चलती रात,
नहाने की तो छोड़ो बात।।

थर-थर, थर-थर काँपे सब,
सर्दी आयी ठिठुरे सब।
चन्दा मामा भी करते बात,
वो भी काँपे थे सारी रात।।

रचना
आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19/12/2022 दिन- सोमवार

5558

## बन्दर मामा

बन्दर मामा, बन्दर मामा,
इतने क्यों इतराते हो।
पूँछ हिलाते हमें रिझाते,
बिल्कुल ना घबराते हो ।।

कभी यहाँ कभी वहाँ पर,
झट से तुम चढ़.जाते हो।
डण्डा लेकर पापा आये,
डरकर क्यों भग जाते हो।।

है उल्टे-सीधे काम तुम्हारे,
पर भोले से बन जाते हो।
खीं-खीं करते हमें डराते,
मुँह बनाकर खिझाते हो।।

डमरु लेकर आया मदारी,
सबको नाच दिखाते हो,
माँग-माँग कर पैसे लाते,
कितने भोले बन जाते हो।।

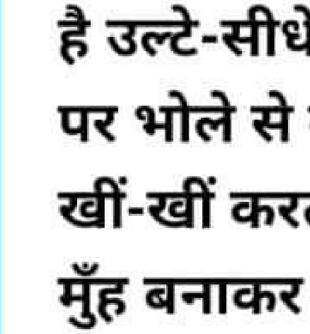

रचना- रचना सिंह वानिया (स० अ०)
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
रजपुरा, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19.12.2022 दिन- सोमवार

5559

# मेरे सपने में...

एक सुन्दर सी परी,
मेरे सपने में खड़ी।
लिए हाथों में छड़ी,
जो थी जादू से भरी।।

मैं दौड़ी-दौड़ी आयी,
उसको देखकर हरषायी।
अपने कमरे में ले आयी,
और सोफे पर बैठायी।।

हमको जादू दिखाओ,
कुछ खाने को ले आओ।
हमको पढ़ना सिखाओ,
सारी मुश्किल मिटाओ।।

मेरी मैम न मुझको डाँटे,
दोस्त आगे-पीछे नाचें।
उसने दे दी एक छड़ी,
मेरी आँख तब खुली।।

रचना
कमला देवी (शि०मि०)
प्रा० वि० खरवलिया
सिधौली, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

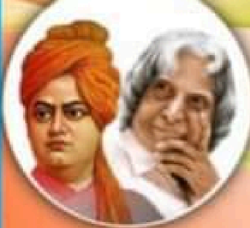

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 19-12-2022 दिन- सोमवार

5560

## गुड़िया मीना

छोटी-सी प्यारी गुड़िया मीना,
लड़कियों को सिखाती जीना।
तोता मिट्ठू  है साथ में रहता,
कहानी प्यार की सबसे कहता।।

छोटा भाई राजू है बड़ा नटखट,
करता हमेशा मीना से खटपट।
करते प्यार अपनी राजदुलारी को,
अपनी मीना गुड़िया प्यारी को।।

समाज को अच्छी सीख सिखाती,
बालिका शिक्षा पर देती जोर।
लिंग-भेद को वो है मिटाती,
करते सब उसकी बातों पर गौर।।

मित्रवत व्यवहार करें सभी से,
उसका ही है ये काम सिखाना।
पुष्ट आहार व शिक्षा दे लड़कियों को,
उसका यही है समाज से कहना।।

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना,
लोधा, अलीगढ़

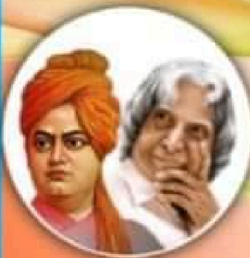

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20/12/22　　दिन- मंगलवार

5561

## प्रार्थना

ओ नीले अम्बर वाले,
पूरी दुनिया के रखवाले।
सूरज,चन्दा देन है तेरी,
तेरे करतब सदा निराले।।

सब जीवों के तुम हो दाता,
तुम पर करती दुनिया नाज।
रँग-बिरँगी दुनिया तुम्हारी,
तुम्ही बनाते बिगड़े काज।।

धरती, नदिया, झरने सागर,
नित तेरे गीत गाते हैं।
अजब-गजब प्रकृति सुन्दर,
तेरी शक्ति सदा बताते हैं।।

ऊँचे-ऊँचे पहाड़ मिल सारे,
आसमान में झिलमिल तारे।
गा कर तेरी रहमत का गाना,
हाथ जोड़ सब तेरा नाम पुकारे।।

रचना-
प्रेमचन्द (प्र० अ०)
उ० प्रा० वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

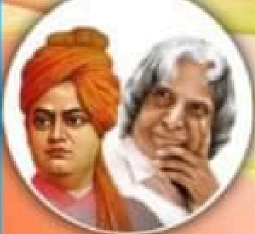

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20.12.2022 दिन- मंगलवार

5562

## पक्षियों की बोली

आओ बच्चों! जानें आज,
पक्षियों की कैसी आवाज।
किसका कैसा है अन्दाज,
जानेंगे हम सब ये आज।।

मोर रंगीले पंखों वाला,
पिहू-पिहू है बोल निराला।
हरे रंग का है जो होता,
टें-टे-टें-टें बोले तोता।।

कौवे का कर्कश है मिज़ाज,
काँव-काँव इसकी आवाज।
कोयल रानी बड़ी सयानी,
सबसे मीठी इसकी बानी।।

सुबह हो गयी, हमें बताता,
मुर्गा कुकड़ू-कूँ है करता।
शान्ति का संदेशा लाता,
कबूतर गुटरू-गूँ है करता।।

रचना
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

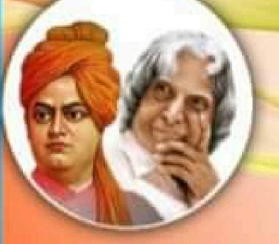

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20/12/2022 दिन- मंगलवार

5563

# मेंहदी का पौधा

हरी-हरी होती हैं पत्तियाँ,
रूप होता है झाड़ीनुमा।
कहते हैं इसको मेंहदी,
अरबी नाम है हिना।।

लॉसोनिया इनर्मिस वैज्ञानिक नाम,
लिथेसिई कुल का पौधा काँटेदार।
पीस पत्तियाँ हाथों पर लगाते,
लाल-नारंगी रंग खुशबुदार।।

ऊँचाई होती आठ-दस फुट,
होते सफ़ेद हल्के पीले फूल।
फूलों से बनता सुगन्धित तेल,
छाल-पत्तियों से होते रोग दूर।।

पूर्वी द्वीप, उत्तरी अमेरिका, भारत,
अरब में पायी जाती है बहुतायत।
घर में लगाते इसकी वाटिका,
शुभ शगुन से करते स्वागत।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 20-12-2022　　दिन- मंगलवार

5564

## प्रयागराज

प्रयागराज में बजते साज,
आनन्द के यहाँ रहते राज।
त्रिवेणी का संगम यहाँ,
सुर-सरस्वती के सुर यहाँ।।

याग होते थे इस नगरी में,
प्रयाग नाम तभी आया।
विद्या, ज्ञान यहाँ के लेखन से,
संसार को मिलती दिव्य-छाया।।

प्रिय रामचरित मानस की,
घर-घर गूँजी यहीं से आवाज।
राजनीतिक रूप है सक्रिय,
प्रयागराज पर हम सबको नाज।।

गंगा, यमुना, सुर की देवी,
ज्ञान-कुम्भ की किरणें यहाँ।
तीर्थ और शिक्षा की नगरी से,
आलोकित होता पूरा जहान।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
5565
दिनांक- 21/12/2022 दिन- बुधवार

# श्री गंगा

पतित पावनी श्री गंगा,
पाप हारिणी श्री गंगा।
सबसे निर्मल, सबसे पावन,
मोक्षदायिनी श्री गंगा।।

राजा भगीरथ के संग आयी,
भागीरथी नाम कहायी।
पुरखों को उनके ये,
मोक्ष दिलाने आयी।।

इतना निर्मल जल है यह,
कभी खराब न होये।
अनगिनत लोगों ने इसमें,
अपने पाप हैं धोये।।

दूषित पर क्यों कर रहे हो?
जिसको माँ है माना।
इसके औषधीय प्रभावों को,
सारी दुनिया ने जाना।।

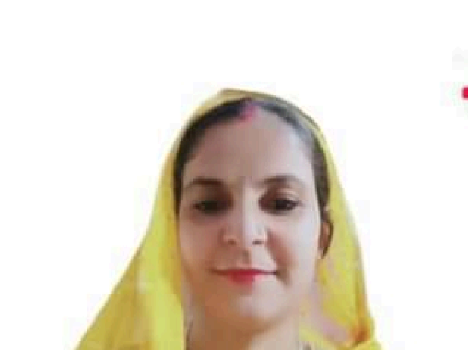

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनांक- 21-12-2022
दिन- बुधवार
5566

# शून्य की खोज

देश का गौरव और बढ़ाया मान,
विश्वभर में आर्यभट्ट हैं देश की शान।
गणितज्ञ, ज्योतिविद और खगोलशास्त्री,
कोटि-कोटि नमन, वन्दन हैं करते आपको।।

प्रसिद्ध है विश्व में इनकी रचनाएँ,
आर्यभट्टीय और आर्यभट्ट सिद्धान्त।
पाई और शून्य में बड़ा योगदान,
विश्व ने जाना शून्य का मान।।

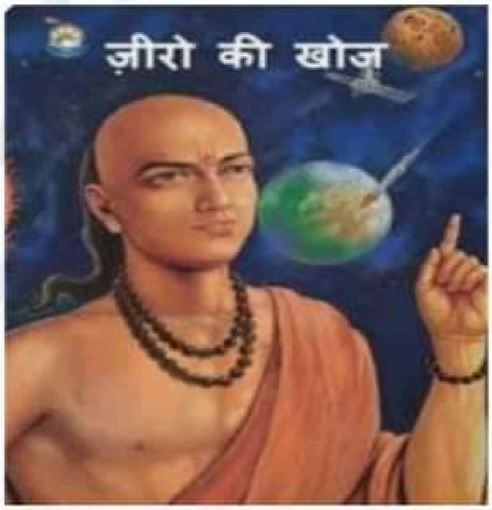


अंग्रेजी में कहा गया शून्य को जीरो,
आर्यभट्ट बन गये फिर विश्व में हीरो।
नालन्दा विश्वविद्यालय से पाया ज्ञान,
विश्व भर में पाया इन्होंने सम्मान।।

रचना
प्रियंका रावत (स०अ०)
प्रा० वि० नगला मानसिंह
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 21/12/2022 दिन- बुधवार

5567

# मजबूत जड़ें

अपने हाथ से अपने पौधे,
क्यों सुखा रहे हो यारों?
काट रहे हो जड़ों को उनकी,
बेजान क्यों बना रहे हो यारों।।

जड़ें मजबूत होंगी पौधों की,
तभी तो वह बड़े पेड़ बनेंगे।
लेकर जड़ का ही तो सहारा,
मजबूती से वो खड़े रहेंगे।।

बुजुर्ग हमारी मजबूत जड़ें हैं,
जिनसे परिवार की होती शान।
एक ही माला के मोती हम सब,
हम सबमें एक-दूजे की जान।।

आज वे हैं तो कल देखना,
उनकी जगह हम खड़े होंगे।
और इसी तरह बगिया में,
मजबूत जड़ें हम ही होंगे।।

-रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

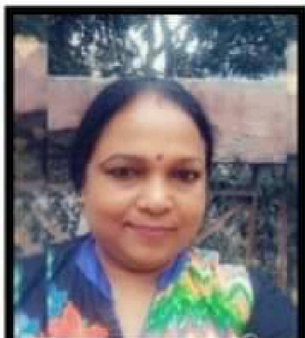

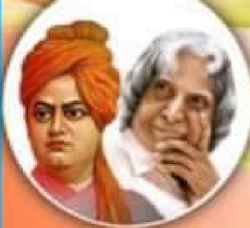

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22.12.2022    दिन- गुरुवार

**5568**

## प्यारा अखबार...

मैं हूँ प्यारा सा अखबार,
ख़बरें देता रोज हजार।
सुबह-सुबह आ जाता हूँ,
लेकर दुनिया का रैबार।।

पापा को मैं अच्छा लगता,
दादाजी का बड़ा दुलारा।
मम्मी भी पढ़ती फुर्सत में,
दादी जी को लगता न्यारा।।

बच्चों का भी कोना होता,
सन्डे को स्पेशल बन आता।
बाल कहानी और कविताएँ,
चुटकुले और कार्टून भी लाता।।

लेकिन अब मैं बहुत अकेला,
लोग व्यस्त मोबाइल पर।
पढ़ता नहीं मुझे तो कोई,
पड़ा हुआ हूँ मैं दिनभर।।

जब से आया है मोबाइल,
बच्चों का मैं खास नहीं।
बूढ़े और युवाजन भी तो,
आते हैं मेरे पास नहीं।।


रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

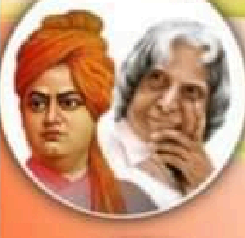

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22/12/2022 दिन- गुरुवार

5569

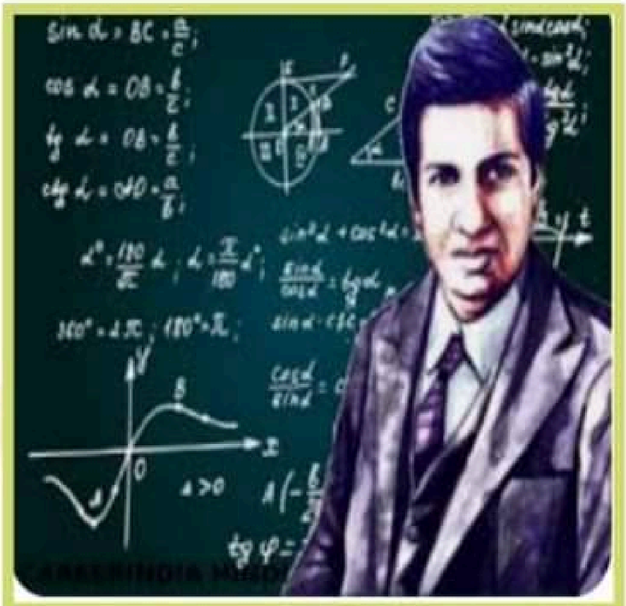

22 दिसम्बर सन् 1887 को,
इरोड़ गाँव, कोयम्बटूर में जन्मे।
ब्राह्मण परिवार के श्री निवास इयंगर,
कोमल तम्मल माता-पिता बने।।

13 साल की उम्र में त्रिकोणमिति,
समझ विशिष्ट योग्यता प्राप्त की।
स्वयं बहुत सी प्रमेय बनायी,
बर्नोली संख्याओं पर गहन खोज की।।

दशमलव के 15 अंकों तक का मान,
स्थिरांक, तत्समक पर प्रमेय लिखी।
विश्लेषण, संख्या सिद्धांत क्षेत्र में,
120 सूत्र दिये उपलब्धियाँ दिखी।।

इण्डियन मैथमेटिकल सोसायटी के,
जर्नल में गणित प्रश्नों को हल किया।
टी० बी० के कारण महान गणितज्ञ ने,
33 वर्ष की अल्पायु में शरीर त्याग दिया।।

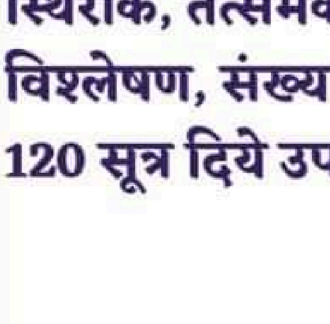

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे० एवं जिला- मथुरा

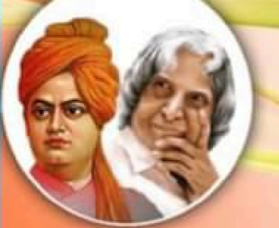

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 22.12.2022

दिन- गुरुवार

5570

# सर्दी आयी

सर्दी आयी देखो रे! सर्दी आयी,
कोहरा और कुहासा संग लायी।
कम्बल, रजाई, स्वेटर और शॉल,
सबके बदन पर राजे हैं भाई।।

मूंगफली-गजक सब हैं खाते,
इनसे हम सब ऊष्मा हैं पाते।
पूस की ठण्ड जब मारे है जोर,
अलाव जलाकर बैठे चहुँ ओर।।

घोंसलों में छुप गये सारे विहग,
सूरज न दिखे तो हो जाते तंग।
अदरक की चाय लगती प्यारी,
गरमा-गरम पकौड़ों से हुई यारी।।

बर्फ़ीली हवाओं का मौसम आया,
सिर को मफ़लर और टोप भाया।
सर्दी की मार से बचकर सब रहना,
हुआ जुकाम फिर यह मत कहना।।

रचना- पूनम नैन (स0अ0)
कम्पोजिट विद्यालय मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

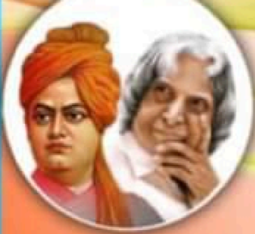

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 23.12.2022
दिन- शुक्रवार

5571

## क्रिसमस...

जीसेस का है जन्मदिन आया,
सब बच्चों का मन हर्षाया।
ढेरों खुशियाँ संग में लाया,
देखो-देखो क्रिसमस आया।।

जिंगल बेल का गाना गाकर,
सान्ता क्लॉज़ आयेंगे।
बच्चों को लाड़ लड़ायेंगे,
संग उपहार भी लायेंगे।।

ईसाइयों का है प्रमुख त्योहार,
चारों तरफ है खुशियों की बहार।
जन-जन तक यीशु के संदेश पहुँचायेंगे ,
सबके हृदय में मानवता की अलख जलायेंगे।।

रचना
आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

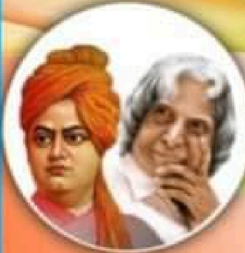

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 23-12-2022 दिन- शुक्रवार

5572

## प्रेम

पाखण्ड यहाँ हर रिश्ते में,
पाखण्ड भरा है प्रेम।
पाखण्डों की दुनिया में,
बस आहें भरता प्रेम।।

क्या झूठा क्या सच्चा है?
सब नीयत की बात।
बिन पाखण्ड अब नहीं,
किसी रिश्ते की शुरुआत।।

मीठी-चुपड़ी बातें करते,
प्रीति नहीं ये सौदा करते।
ये उन्हीं को करते सलाम,
जिनसे बनते इनके काम।।

परोपकार न अब कोई करता,
पीड़ितों की कोई न सुनता।
नहीं मिलते अब प्रेम पुजारी
धन दौलत पर प्रीति वारी।।

एक दिन सब-कुछ छूटेगा,
बस अपनापन जीतेगा।
सुन लो समझो सच्ची बात,
प्रेम रहित दिल है निर्वात।।

रचना
पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला
खैर, अलीगढ़

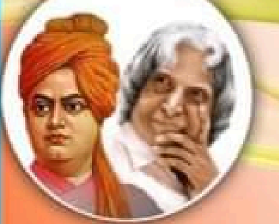

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 23.12.2022 दिन- शुक्रवार

5573

## उम्मीद

माना कि आज तू बिखरा है,
मगर एक रोज तो निखरेगा।
रोज शाम को ढलता है सूरज,
हर सुबह तो जरूर निकलेगा।।

तेरी मंजिल भले ही दूर सही,
तेरी तपन से लोहा पिघलेगा।
तेरे अन्तर्मन में भरा जुनून,
तू घने कांटों पर भी चलेगा।।

आँधियाँ भले ही बाधा बनें,
हवाओं का रुख भी बदलेगा।
कल के लिए कदम बढ़ा तो सही,
नाकामी का मौसम भी बदलेगा।।

रचना- अशोक अंतिल (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 सुल्तानपुर हटाना
बागपत, बागपत

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 23-12-2022 दिन- शुक्रवार

5574

# गुरु गोबिंद सिंह

सिखों के अंतिम गुरु ये थे,
दसवें गुरु, योद्धा, कवि महान।
सोलह सौ छियासठ, बाईस दिसम्बर,
को जन्मे, जानें सारा जहान।।

सोलह सौ निन्यानवे में इनने,
'खालसा पंथ' किया स्थापित।
गुरु नानक का गुरु ग्रंथ साहिब,
किया पूर्ण हुआ जग में थापित।।

पटना, बिहार में जन्मे ये,
पिता नौवे गुरु तेगबहादुर।
चार साल पटना में रहकर,
चक्क नानकी रहे, बना घर।।

चौदह युद्ध लड़े, उनके,
बेटों ने दीन्हा था बलिदान।
सर्वस्वदानी कहलाये ये,
जग गाये इनके गुणगान।।


## रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर (झाँसी)

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24/12/2022 दिन- शनिवार

5575

## सर्दी

सूरज दादू भी अलसाये,
देती नही किरण दिखायी।
ठण्डी-ठण्डी हवा कंपाये,
मुँह से भाप निकलकर आयी।।

छाया कोहरा, सर्दी आयी,
मम्मी ने टोपी पहनायी।
डुग्गू के मन नहीं है भायी,
टोपी फेंक कर दौड़ लगायी।।

लग गयी सर्दी,
छींक है आयी।
मम्मी ने भी डाँट लगायी,
कैसे खेलें छुपन-छुपाई।।

गुड़, मूंगफली और रेवड़ी,
छोटे-बड़े सभी को भायी।
गर्म सूप और नर्म रजाई,
पीकर सो जाओ डुग्गू भाई।।

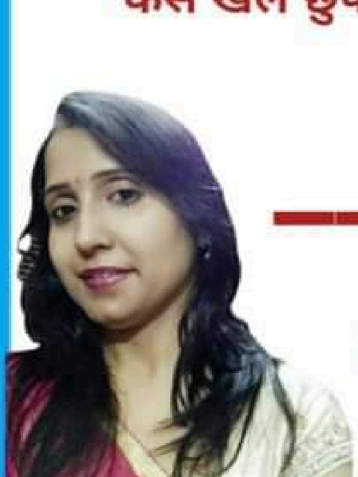

रचना:
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
वि० ख०- परीक्षितगढ़, मेरठ

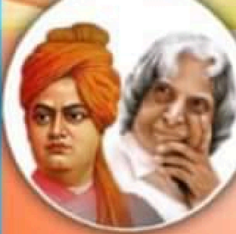

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24.12.2022

दिन- शनिवार

5576

# प्यारी धरती

अगर धरा बचाना है,
पेड़ हमको लगाना है।
संरक्षण सबसे कराना है,
यह संकल्प हमारा है।।

मोर, शेर, भालू, हिरण,
सबको जंगल है भाये।
मानव, पशु, पक्षी सबके,
जीवन को पर्यावरण सजाये।।

फिर क्यों? न हम सबको,
पेड़ों का महत्व आज बतलाएँ?
प्यारी धरती सब कुछ सहती,
सबको खुशियाँ दिखलाएँ।।

ऐसी प्यारी धरती पर,
सारी खुशियाँ पाये।
फिर क्यों? न हम सबको,
इसका महत्व बतलाएँ।।

रचना
शीबा नाज अंसारी (प्र०अ०)
प्रा० वि० बैसनपुरवा
बिसवाँ, सीतापुर

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24-12-2022    दिन- शनिवार

5577

# आओ बच्चों

खिले-खिले हों तन-मन अपने,
आओ! कुछ ऐसा कर पायें।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुलकर खेलें नाचें-गाएँ।।

खेल-खेल में प्यारे बच्चों,
गतिविधियों के साथ पढ़ें हम।
नाम अमर हो जग में अपना,
ऐसा कुछ इतिहास गढ़ें हम।।

फूलों से कुछ बातें कर लें,
और तितली के रंग चुरायें।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें नाचें-गाएँ।।

चमकें मम्मी की बिन्दी से,
पापा के पैसे से दमकें।
घर की क्यारी में उग आये,
इन फूलों के जैसे महकें।।

रचना
प्रदीप कुमार चौहान (प्र०अ०)
प्रा० वि० कलाई
धनीपुर, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 24/12/2022    दिन- शनिवार

5578

## आदिगुरु शंकराचार्य

आदिगुरु कहलाते हैं जो,
कालड़ी (केरल) में जन्मे वो।
ममतामई माँ आर्यांबा हैं तो,
पिता शिवगुरु जी को माने वो।।

मात-पिता की इकलौती सन्तान,
बचपन में हुआ पिता का देहान्त।
माता से ले संन्यास की अनुमति,
गुरु गोविन्द पाद ने दी ज्ञान व भक्ति।।

मण्डन मिश्र, माँ भारती से,
मुलाकात ज्ञान शास्त्रार्थ से।
धार्मिक कुरीतियों को दूर किया,
अद्वैत वेदान्त का सन्देशा दिया।।

उत्तर में ज्योतिर्मठ, दक्षिण में श्रृंगेरी,
पूर्व में गोवर्धन, पश्चिम में शारदा।
धर्म रक्षार्थ 4 मठ स्थापित किये,
32 की उम्र में कहा जीवन को अलविदा।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- १,
महुआ, बाँदा

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26.12.2022 दिन- सोमवार

5579

## सैण्टा बाबा...

बाबा सैण्टा, बाबा सैण्टा,
लिए हैं संग में घण्टी-घण्टा।
उनकी टोपी सफेद-लाल,
सुन्दर चेहरा सफेद बाल।।

हिरण के रथ पर हुए सवार,
बच्चों जैसे होकर तैयार।
झोले में खूब डाल खिलौने,
कहीं पे लम्बे कहीं पे बौने।।

ठण्डी सर्दी की रातों में,
बच्चों की प्यारी बातों में।
खिड़की में फिर टंगी जुराब,
हाथ लिए फिर लाल गुलाब।।

हो खड़े सामने हमें जगाया,
झोले से कुछ बाहर मँगाया।
देख उसे हम खुशी से झूमे,
लेकर तोहफा दुनिया घूमे।।

रचना
अभिषेक कुमार मिश्र (स०अ०)
प्रा० वि० सिंघनिया
परसेण्डी, सीतापुर

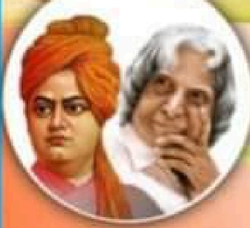

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26-12-2022 दिन- सोमवार

5580

## प्यारी बेटी

मेरी प्यारी बेटी शालू,
खाती रोज उबले आलू।
खट्टी-मीठी चटनी के साथ,
कर लेती मैले अपने हाथ।।

सुबह-सुबह उठ जाती है,
नित्य कर्म, करके दाँत साफ।
उसके अच्छे कामों से माँ,
कर देती है गलतियाँ माफ।।

सुबह-सुबह करके स्नान,
करती है बड़ों को प्रणाम।
बस्ता लेकर स्कूल जाकर,
करती वह सब स्कूल के काम।।

रचना
प्रियंका रावत (स०अ०)
प्रा० वि० नगला मानसिंह
लोधा, अलीगढ़

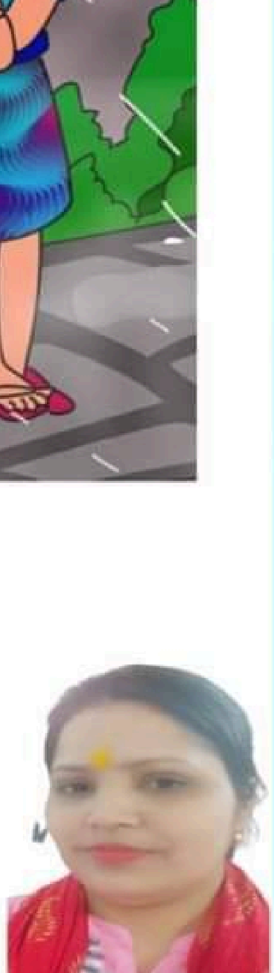

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 26/12/2022 दिन- सोमवार

5581

# स्वच्छ स्कूल

स्वच्छ विद्यालय अपना सारा,
चमके सदा उपवन-सा न्यारा।
कुर्सी, मेज सब रहते साफ,
साफ कार्यालय, रसोई साफ।।

स्वच्छ उपवन है, सुन्दर फूल,
खुशबू से महके सारा स्कूल।
अलग पुष्पों की अलग है क्यारी,
लगती मनमोहक-सी प्यारी।।

स्वच्छ शौचालय और नलकूप,
टोंटी का स्वच्छ पानी खूब।
खेल का है मैदान भी न्यारा,
बच्चों को लगता है प्यारा।।

किचन भी सुन्दर साफ चमकता,
शीशे जैसा साफ है दमकता।
खाने में नित रहे साफ-सफाई,
बरतन की होती रोज धुलाई।।

रचना-
रामकुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० खालिदपुर- 2
मवाना, मेरठ

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27.12.2022 दिन- मंगलवार

**5582**

## सर्दी आयी...

सर्दी आयी, सर्दी आयी,
ठिठुरन, कोहरा, पाला लायी।
थर-थर काँपे सब जन भाई,
सर्दी आयी, सर्दी आयी।।

गाजर का हलवा मन भाया,
और चाय ने सबको ललचाया।
कुल्फी से सब डरते भाई।
सर्दी आयी, सर्दी आयी।।

स्वेटर, टोपी, मफलर, जैकेट,
है कोट की रंगत भी छायी।
बूढ़े बिस्तर में दुबक रहे,
बच्चों को ये सर्दी भायी।।

दिन भर जलता रहता अलाव,
बढ़ गया धूप का सरल भाव।
ये लुका-छिपी खेलन आयी,
सर्दी आयी, सर्दी आयी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27/12/2022 दिन- मंगलवार

5583

## नीम का पेड़

छाया संग देता हूँ औषधि,
फल को मेरे कहते निबौली।
स्वाद में होता हूँ मैं कड़वा,
नीम का पेड़ हूँ बहुत उपयोगी।।

जानो मेरा वानस्पतिक नाम,
अज़ारडिरक्टा इंडिका रखना याद।
औषधि कहलाती है नीम घनवटी,
दाँतून मेरा करता है दाँत साफ।।

चर्म रोग-घाव जब हो जाए,
छाल से बनाकर लेप लगाएँ।
जब हो जाए कील-मुंहाँसे,
सुबह पाँच पत्तियाँ रोज खाएँ।।

बढ़ाता हूँ मैं प्रतिरोधक क्षमता,
काम है मेरा विषाणु से लड़ना।
आरोग्यताधारी हूँ स्वास्थ्यवर्धक,
करो उपयोग फिर लाभ बताना।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

5584

दिनांक- 27/12/2022 दिन- मंगलवार

## मम्मी-पापा

मम्मी-पापा शान हमारी,
कर्जा उनका हम पर भारी।
कभी नहीं उनको भूलेंगे,
उनसे चलती सृष्टि सारी।।

मम्मी-पापा जग में प्यारे,
बिन उनके हम रहते उधारे।
कभी नहीं उनको दुःख देंगे,
सेवा करेंगे मिलकर सारे।।

कैसी है यह उनकी ममता,
मोल उसका जाने कौन।
दुःख सहकर खुशियाँ दे जाते,
पल भर में हो जाते मौन।।

माँ-बाप के कर्जे को,
जग में कौन उतारेगा।
जीते जी सेवा नहीं की,
फिर मम्मी-पापा पुकारेगा।।

रचना- प्रेमचन्द (प्र० अ०)
उ० प्रा० वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

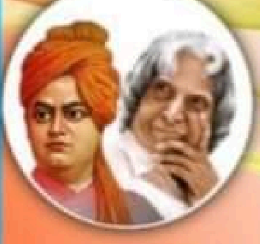

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27-12-2022 दिन- मंगलवार

5585

## तरुवर से लो सुन्दर सीख

तेज धूप लू तपिस झेलते,
ओलों का सहते आघात।
पतझड़ का मौसम आने पर,
हो जाते हैं स्वयं निपात॥

झंझावातों में भी देखो,
होते कभी निराश नहीं।
डाल टूटतीं पत्ते झड़ते,
पेड़ उखड़ते कहीं-कहीं॥

हिम्मत करके धैर्य धारके,
सीना ताने खड़े रहे।
जीवन की उत्कट अभिलाषा,
अपनी जिद पर अड़े रहे॥

मानव मन धैर्य धरो अपने,
तरुवर से लो सुन्दर सीख।
संकट में संघर्ष करो तुम,
नहीं दया की माँगो भीख॥

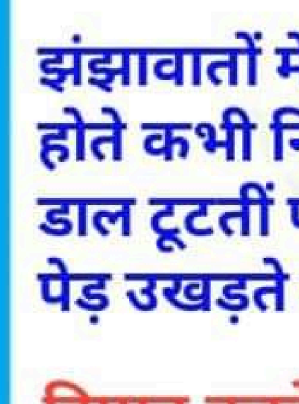

रचना
रामचन्द्र सिंह ( स०अ० )
प्रा० वि० जगजीवनपुर -2
ऐरायां, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27-12-2022 दिन- मंगलवार

5586

# आओ बच्चों (भाग-2)

दादी के चश्मे में झाकें,
दादा की लाठी बन जायें।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें नाचें- गाएँ।।

आओ दीदी, आओ भैया,
मम्मी ने पकवान बनाये।
पापा भी थैला भर-भर के,
मौसम के ताजे फल लाये।।

क्यों शर्मायें अपने घर में?
खायें जमकर धूम मचायें।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें नाचें-गाएँ।।

रचना
प्रदीप कुमार चौहान (प्र०अ०)
प्रा० वि० कलाई
धनीपुर, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 27/12/2022 दिन- मंगलवार

**5587**

# अच्छा बीते नया साल

मंगल कामना से परिपूर्ण,
उम्मीदों के पंख पसार।
उमंग हृदय में बेसुमार,
लेकर आ रहा नववर्ष बहार।।

चाहतों के फूल खिले,
इठलाएँ कलियाँ बार-बार।
होगी जीवन में नई भोर,
आने वाला है नव दौर।।

सब को फिर से आस बँधी,
होगा दुखों का अन्त काल।
नव वर्ष की मधुर बेला में,
रहें सदा सब खुशहाल।।

करें प्रार्थना बारम्बार,
अच्छा बीते नया साल।
खुशहाली सदा रहे सब घर,
आपस में रहे सबका प्यार।।

नव वर्ष आप सभी के लिए खुशियाँ
लेकर आए ईश्वर से यही प्रार्थना है
🙏

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

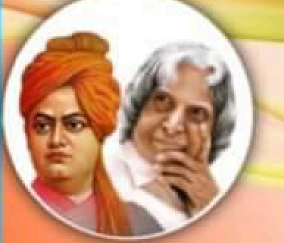

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 28.12.2022 दिन- बुधवार

5588

# ट्रैफिक लाइट...

तीन रंग की बत्ती,
ट्रैफिक नियम बताती।
कब रूकना, कब चलनना?
सब ये हमें सिखाती।।

लाल रंग की बत्ती,
जैसे ही जल जाती।
कहती, रूक जाओ!
अब न कदम बढ़ाओ।।

पीले रंग की बत्ती,
जब भी जल जाती।
कहती है, तैयार रहो!
पर वहीं रूके तुम रहो।।

हरे रंग की बत्ती,
जैसे ही जल जाती।
कहती है, मत रूको!
अब तुम जल्दी चलो।।

रचना
प्रसन्नता रस्तोगी (स०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
मिश्रिख, सीतापुर

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 28-12-2022

दिन- बुधवार

5589

## लाड़ली

यही दुआ है लाड़ो तेरे जन्मदिन पर,
तुझको लग जाये मेरी भी उमर।
जब तूने जन्म दुनिया में था पाया,
खिला मेरा चेहरा, जो था मुरझाया।।

खुशियों का पिटारा है मेरी दुलारी,
बिटिया रानी मेरी जान से प्यारी।
लाड़ली तुझ पर मैं बलि-बलि जाऊँ,
देख तुझे ही तो, मैं माँ मुस्काऊँ।।

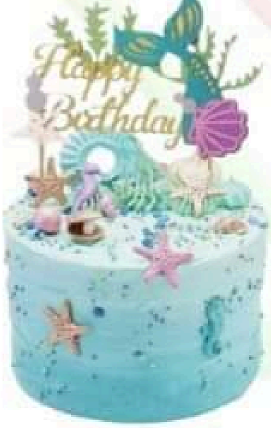


क्या दूँ तुझे तोहफा तेरे जन्मदिन पर?
तेरी माँ के तो कुछ समझ न आये।
है बेसब्री से उस दिन का इन्तजार,
माँ मुझको ये है लेना, लाड़ो बतलाए।।

रचना
ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना,
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान!

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 28/12/2022 दिन- बुधवार

**5590**

# स्लेट

बोली राधा औरों को देख,
पापा ला दो एक स्लेट।
अब मैं भी पढ़ने जाऊँगी,
बुला रहा स्कूल का गेट।।

स्लेट तो मैं कल ला दूँगा,
पर लाडो मेरी बात सुनो।
संग इसके क्या-क्या आयेगा?
जल्दी से सामान चुनो।

एक स्लेट, चॉक का डिब्बा,
वो भी रंग-बिरंगी समझे अब्बा।
समझ गया शैतान की नानी,
पढ़ना होगा अब छोड़ कहानी।।

लिखना, पढ़ना, कहानी गढ़ना,
सब सिखला देगी ये स्लेट।
चलो अब सो जाओ तुम,
होना नहीं पहले दिन लेट।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

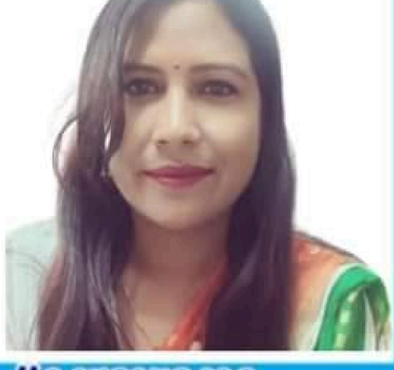

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 28/12 /2022 दिन-बुधवार

5591

## 26 दिसम्बर- वीर बाल दिवस

मुगलों के संग युद्ध हुआ,
गोविन्द सिंह का योग निराला था।
मुगलों से लोहा ले शहीद हुए,
गुरु पुत्रों का त्याग निराला था।।

नन्हीं जानों को मुगलों ने,
दीवारों में चिनवाया था।
जान पे अपनी खेल वीरों ने,
निज धर्म का मान बढ़ाया था।।

देश धर्म हित मर-मिटकर,
यादगार दिवस को बना दिया।
स्मरण हेतु शौर्य गाथा के,
'वीर बाल दिवस 'इसे करार दिया।।

आओ प्यारे बच्चों मिलकर,
बलिदान को उनके याद करें।
वीर पुत्रों को न्याय मिल सके,
ऐसी हम सब फरियाद करें।।

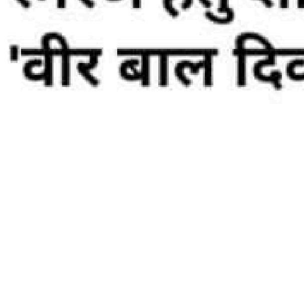

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

🙏रचना-:
ललिता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
मूनाकोट, पिथौरागढ़

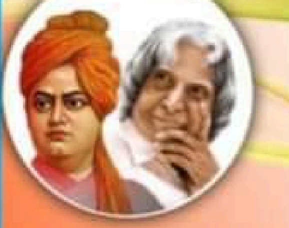

मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 29/12/2022 दिन- गुरुवार

5592

## जीवन व्यर्थ ना गवाओ

प्यारे बच्चों! यह जिन्दगी,
ईश्वर की है देन।
व्यर्थ गवां कर इसको,
ना खोना मन का चैन।।

समय-असमय जो तुम,
मोबाइल उठाते हाथ में।
तरह-तरह के खेल खेलते,
हो एक-दूजे के साथ में।।

इससे पढ़ने का समय तुम्हारा,
बड़ा ही व्यर्थ हो जाता है।
जीवन में कुछ कर पाने का,
स्वप्न भी कहीं खो जाता है।।

अपने जीवन में हर कार्य,
हो अनुशासित तुम करो।
खेलने, पढ़ने की समय सारणी,
को व्यवस्थित तुम करो।।

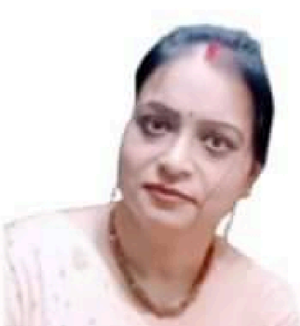

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

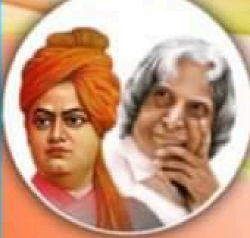

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 29.12.2022 दिन- गुरुवार

5593

## जाड़े मा...

कुकुर और सियार साथ में,
उल्लू भी हो गये मौन।
साँय-साँय सन्नाटे में,
जाड़े में अब बोलै कौन?

चींटी, चेंटा, कीट, पतंगे,
छिपे सभी हैं जाड़े में।
मारे गुटकी तीन बने हैं,
सब नर-नारी जाड़े में।।

हवा सर्द अरु पानी काटै,
थर-थर बोटी काँपै।
कथरी-गुदरी से सब रातें काटैं,
दिन मा सब मिलि आगी तापैं।।

सूर्योदय अरु सूर्यास्त में,
अन्तर समझ न आवै।
चाय और आगी से ज्यादा,
मजा न काहेम आवै।।

रचना
अभय प्रताप सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० भटपुरवा
हरगाँव, सीतापुर

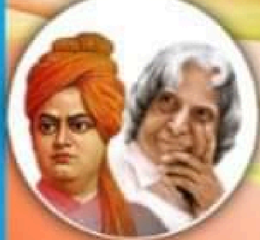

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 29/12/2022 दिन- गुरुवार

5594

## स्वयं भाग्य निर्माता

बहुत हुईं कपोल-कल्पनाएं,
वास्तविक चरित्र गढ़ना पड़ेगा।
ले प्रेरणा उनसे,
रणभूमि में उतरना पड़ेगा।।

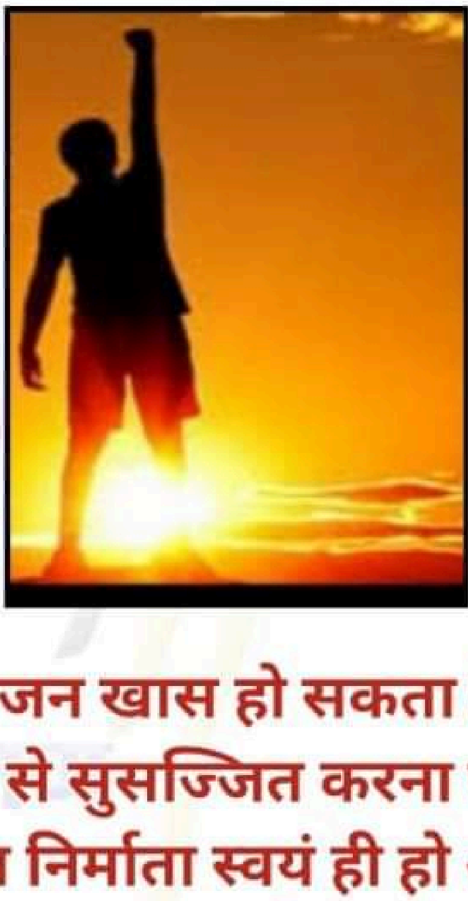

कर्म को ढाल बनाकर,
अभावों से लड़ना पड़ेगा।
दौड़ने की स्थिति न सही,
कदम -कदम बढ़ना पड़ेगा।।

हाथ पर हाथ रखकर,
बैठने से कुछ न होगा।
इन्हीं हाथों से भाग्य,
निर्माण करना पड़ेगा।।

आमजन खास हो सकता है,
गुणों से सुसज्जित करना पड़ेगा।
भाग्य निर्माता स्वयं ही हो अपने,
ये मन्त्र जन-जन मे भरना पड़ेगा।

रचना-
मनीष त्रिवेदी (स० अ०)
प्रा० वि० हमीरपुर
रसूलाबाद, कानपुर देहात

# मिशन शिक्षण संवाद
## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 29/12/2022 दिन- गुरुवार

5595

## जिन्दगी एक सफ़र

बचपन के दिन बीत गये,
न जाने कितने मीत भये।
युवावस्था भी जानी होती,
सबकी यही कहानी होती।।

बुढ़ापा भी एक दिन आता है,
सबसे ज्यादा साथ निभाता है।
पर इक दिन ये भी न रहता,
मृत्यु देवी से मिलन है होता।।

यही चक्र सबका होता,
फिर क्यों गुरूर करता रे।
कितना भी पैसे वाला हो,
अन्त जमीन पर सोता रे।।

माँ का आँचल कितना बड़ा!
वो न देखती छोटा-बड़ा।
सबका आलिंगन करती है,
धरती सबकी सुन्दर माँ होती है।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवाँ, अलीगढ़

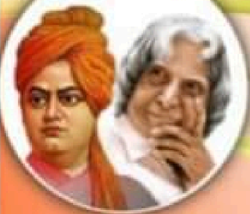

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 30-12-2022

दिन- शुक्रवार

5596

## प्रकृति माँ

सुरक्षा चक्र बहुत थे,
सारे ही अपनाते।
प्रकृति के रौद्र रूप को,
फिर भी सह नहीं पाते।।

काढ़ा, हल्दी, लौंग, गिलोय,
सबने थे आजमाये।
लेकिन जिनको जाना था,
हम उन्हें रोक नहीं पाये।।

प्रकृति और ईश्वर के आगे,
हुई मानवता नतमस्तक।
गर्वित चाहे हो लें जितना,
विज्ञान भी है एक नश्तर।।

सही सन्तुलन रखना होगा,
मानव को प्रकृति से।
विकास नहीं ऊपर हो सकता,
ईश्वर और प्रकृति से।।

रचना
पूनम सारस्वत (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रुपानगला
खैर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 30-12-2022 दिन- शुक्रवार

5597

## फिर से संकट

आज जगत में फिर संकट है,
आज जरुरत फिर काढे की।
नया साल यदि सुख से जीना,
सुख से बीते ऋतु जाड़े की।।

तो गिलोय, तुलसी, अदरक अरु,
काली मिर्च मिलाकर फिर ना।
चूल्हे पर इसको खोलाकर,
चौथाई रहे, तभी बचाना।।

छान इसे छन्नी से, करके,
ठंड़ा, हल्का रहे गर्म यह।
थोड़ा-थोड़ा सभी पियें ये,
बीते साल, तनिक न भय रह।।

प्रकृति से मिलती सब चीजें,
यही प्राकृतिक कहलाती हैं।
प्रकृति प्रदत्त कहाँ कोई इन सा,
जीवन बचा, मुस्कुराती हैं।।

**रचना**
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर (झाँसी)

दिनांक- 30/12 /2022 दिन-शुक्रवार

5598

# तुलसी सेवन

आओ बड़ा दिन मनायें।
अपने परिवार संग घर सजायें।
तुलसी पौधे लगे सुहाने,
इनको पाले से हम बचायें।।

वृन्दा, पत्रपुष्पा, रामा, श्यामा,
तुलसी महा औषधि है।
सर्दी, खाँसी, जुकाम में यह,
अच्छी गुणकारी औषधि है।।

हरी-भरी यह झाड़ी जैसी
सुगन्ध यह महकाती है।
हर घर-द्वारे, आँगन, गमलों में,
तुलसी सदा सुहाती है।।

चाय, काढ़ा कुछ भी बनायें,
तुलसी का सेवन अपनायें।
शीत प्रकोप का दोष मिटायें,
दु:ख बाधा को दूर भगायें।।

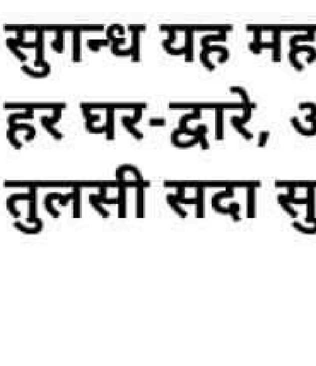

रचना-:
सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 31.12.2022

दिन- शनिवार

5599

# सान्ता बन जाना

जब भी हो कोई परेशान,
तुम उसका दुःख बाँटना।
तुम अपना हाथ बढ़ाना,
तुम सान्ता बन जाना।।

जब दिखे कोई तुम्हें रोता,
या दिखे कोई भूखा सोता।
तब तुम अपना फर्ज निभाना,
तुम सान्ता बन जाना।।

प्रभु यीशू के आदर्शों का,
उदाहरण तुम बनके दिखाना।
हर जरूरत मन्द का साथ निभाना,
तुम सान्ता बन जाना।।

इस क्रिसमस के त्योहार पर,
मानवता की अलख जगाना।
तुम अपना हाथ बढ़ाना,
तुम सान्ता बन जाना।।

रचना
आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

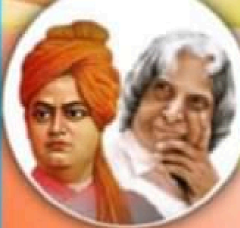

# मिशन शिक्षण संवाद
# काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- 31/12/2022 दिन- शनिवार

**5600**

## गीता श्री जन्मदिवस

गीता श्री जी 31 दिसम्बर 1965 को,
बिहार में जन्मी पत्रकार और साहित्यकार।
कहानी, लेख, कविता विधा की हैं,
जानी-मानी सम्पादक और कलमकार।।

इनकी बेबाक छवि और मैथिली प्रेम,
इनके लेखन में खूब छलकता है।
स्त्री-विमर्श, स्त्री-प्रेम, स्त्री-उत्थान है,
उद्देश्य इनकी लेखनी से लगता है।।

राजनीति, समाज, साहित्य, सिनेमा,
पर निरन्तर लिखना जारी है।
'नागपाश में स्त्री' 'कविता जिनका हक़'
'सपनों की मण्डी' इनकी कृतियाँ प्यारी हैं।।

विभिन्न पत्रिकाओं का सम्पादन किया,
कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं।
इनकी अब तक कि लेखन यात्रा से,
नयी कलम बहुत आशान्वित हैं।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।